मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार, 30 अगस्त 2026
संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 2 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 347 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ भूलने की बीमारी से बचाएगा विटमिन डी

'द ट्रेटर्स इंडिया-2' फिनाले की ओर, रिया चक्रवर्ती का सफर खत्म ◀◀ 6

बुंडू टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने दो को कुचला,नाराज लोगों ने सड़क जाम कर किया हंगामा

संवाददाता

रांची: बुंडू ओवरब्रिज के पास शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। जमशेदपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर बुंडू टोल प्लाजा पर करीब ढाई घंटे तक सड़क जाम कर दिया। बुंडू के डीएसपी ओमप्रकाश ने कहा कि गुस्साए लोगों को समझाने और बातचीत के बाद रात करीब साढ़े 11 बजे जाम हटाया गया। प्रशासन ने परिवार को सभी सरकारी सहायता उपलब्ध करने का भरोसा दिलाया है।

गाड़ी के पास खड़े होकर कर रहे थे बातचीतः बताया जा रहा है कि बुंडू के बाजार टांड़ निवासी अमित साहू अपने ड्राइवर दिलीप मुंडा के साथ ओवरब्रिज के पास सड़क किनारे खड़ी गाड़ी के पास बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान जमशेदपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चुतरू गांव के रहने वाले दिलीप मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अमित साहू गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद ट्रक लेकर भागने लगा चालकः दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन लेकर आगे निकल गया। स्थानीय लोगों ने ट्रक का पीछा किया और बुंडू टोल प्लाजा के पास उसे पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने चालक के नशे में होने का आरोप भी लगाया है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूचना मिलने पर बुंडू थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दिलीप मुंडा के शव को कब्जे में लेकर थाना भेज दिया। दूसरी तरफ गंभीर रूप से घायल अमित साहू को बुंडू अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए रांची रेफर कर दिया। लेकिन रांची ले जाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस तरह इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। अमित साहू की मौत की जानकारी मिलते ही उनके परिजन और स्थानीय ग्रामीण काफी आक्रोशित हो गए। रात करीब नौ बजे बड़ी संख्या में लोग बुंडू टोल प्लाजा पहुंच गए और सड़क जाम कर दिया। जाम की वजह से टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। ग्रामीण मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे समेत अपनी मांगों को लेकर सड़क पर बैठे रहे। मृतक के भाई समेत अन्य परिजन भी मौके पर मौजूद थे।

ढाई घंटे की बातचीत के बाद हटा जामः जाम की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत शुरू की। अधिकारियों ने लोगों को समझाने और उनकी मांगों पर बातचीत के जरिए सहमति बनाने की कोशिश की। करीब ढाई घंटे तक चली बातचीत के बाद रात साढ़े 11 बजे ग्रामीणों ने जाम हटा लिया। इसके बाद बुंडू टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही दोबारा सामान्य हो गई।

ट्रक जब्त, चालक की भूमिका की जांचः पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। अब पुलिस दुर्घटना की पूरी वजह पता लगाने में जुटी है। साथ ही चालक पर लगाए जा रहे नशे में वाहन चलाने के आरोप की भी जांच की जा रही है। पुलिस की जांच और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शौचालय टैंक में डूबने से दो बच्चों की मौत, पसरा मातम

गुमलाः जिले के भरनो थाना अंतर्गत लोंगा गांव में पानी से भरे शौचालय टैंक में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 9 वर्षीय अरमान अंसारी और 5 वर्षीय जैद अंसारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जाता है कि परिजन घर के पास ही शौचालय टैंक बनवा रहे थे, जिसे खुला छोड़ रखा था। लगातार बारिश के कारण टैंक में पानी भर गया। इसी बीच दोनों बच्चे अपने घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते दोनों बच्चे घर के पास बने शौचालय टैंक के पास पहुंच गए और दोनों डूब गए, जिससे दोनों की मौत हो गई।

काफी देर तक जब दोनों बच्चे घर के आसपास नजर नहीं आए तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। खोजबीन के दौरान टैंक के पास दोनों बच्चों की चप्पल दिखाई दी। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने टैंक के अंदर तलाश की तो दोनों बच्चों के शव बरामद किए गए। दोनों मासूमों के शव मिलने की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया।

वहीं घटना को लेकर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने कहा कि परिजनों के अनुसार पानी में डूबने से मौत बताया गया है। लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम होने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

पलामू के बटाने नदी में नहाने के दौरान डूबे तीन युवक, एक का शव बरामद

पलामूः जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में बटाने नदी पर बने बेलघाटी नदी पर बने पुल के पास शनिवार शाम तीन युवक डूब गए थे। रविवार को पुलिस ने पुल के पास से एक युवक का शव बरामद किया। जबकि शनिवार को ही एक युवक को नदी से बाहर निकल गया था, जो बेहोशी की हालत में था।

दरअसल, बिहार के औरंगाबाद के मिनी बीघा गांव के रहने वाले राजेंद्र साव, रितिक और टेनी नामक युवक पिकनिक मनाने के लिए हरिहरगंज में बटाने नदी पहुंचे थे। पिकनिक मनाने के दौरान तीनों युवक नदी में नहाने के लिए उतरे थे और डूब गए। घटना के कुछ ही देर बाद स्थानीय लोग वहां पहुंचे और खोजबीन शुरू की, जिसमें से बेहोशी की हालत में राजेंद्र साव नामक युवक को बाहर निकाला गया।

इसके बाद राजेंद्र साव ने पुलिस को अपने दोनों साथियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने खोजबीन शुरू की और रविवार को घटनास्थल के पास ही एक पत्थर से लगे हुए रितिक का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हरिहरगंज थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि रितिक का शव बरामद किया गया है। तीसरे युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ को पत्र लिखा गया है और ग्रामीणों के सहयोग से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में तीनों युवक के परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए।

फिरोजपुर में आप नेता की गोली मारकर हत्या, एक गंभीर

चुनावी रंजिश में वारदात की आशंका

फिरोजपुरः फिरोजपुर के कस्बा ममदोट में रविवार सुबह आम आदमी पार्टी के नेता गुरप्रीत सिंह की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार नकाबपोश हमलावरों ने कार सवार लोगों और बाइक सवारों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस दौरान 45 वर्षीय गुरप्रीत सिंह की मौत हो गई, जबकि हरप्रीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हरप्रीत सिंह को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे आगे रेफर कर दिया गया।

सिविल अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे दो घायल व्यक्तियों को अस्पताल लाया गया था। इनमें 45 वर्षीय गुरप्रीत सिंह की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। दूसरे व्यक्ति को भी गोलियां लगी थीं और उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद फिरोजपुर के एसएसपी भूपिंदर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और फायरिंग के कारणों का पता लगानेके लिए जांच की जा रही है।

मामले की पुष्टि करते हुए एसएसपी भूपिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली है, लेकिन फिलहाल उनके बारे में जानकारी साझा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच में मामला चुनावी रंजिश से जुड़ा हुआ सामने आ रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही वारदात के कारणों और पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चीन : ग्यिरोंग पोर्ट पर भूस्खलन,16 की मौत, 546 लापता, 49 भारतीय शामिल

नई दिल्ली/एजेंसीः नेपाल-चीन बॉर्डर पर ग्लेशियर टूटने के बाद आयी अकल्पनीय बाढ़ में सैकड़ो लोग मारे गये है। भारी संख्या में लोग लापता है। इससे अलग एक और खबर है, चीन-नेपाल सीमा पर स्थित ग्यिरोंग पोर्ट पर 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं।

दक्षिण-पश्चिम चीन के शिजांग स्वायत्त क्षेत्र की सरकार ने शनिवार शाम तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि 546 लोग अभी भी लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय शामिल हैं। राहत और बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के अनुसार भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों का कोई अतापता नहीं है। इनमें 104 नागरिक नेपाल के हैं। 49 भारतीय हैं, इसके अलावा लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पायी है।

कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के भी 6-6 नागरिक, दक्षिण अफ्रीका के चार, मलेशिया के जर्मनी के और रूस के 3 -3नागरिकों का भी पता नहीं चल पाया है। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 सहित फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 10.75 करोड़ का सोना जब्त, एयरपोर्ट स्टाफ की मिलीभगत से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप

मुंबईः डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की मुंबई जोनल यूनिट ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़े मल्टी-नेशनल गोल्ड स्मगलिंग रैकेट का पदार्फाश किया है। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत अधिकारियों ने 10.75 करोड़ के 24-कैरेट सोने के साथ 6 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संगठित सिंडिकेट में दुबई, बैंकॉक और माले के बीच यात्रा करने वाले विदेशी ट्रांजिट यात्रियों के साथ एयरपोर्ट का ग्राउंड स्टाफ भी शामिल था।ऑपरेशन मिडनाइट गोल्डस्ट्राइक में ऐसे खुला राजःडीआरआई की टीम ने 29 अगस्त को ऑपरेशन मिडनाइट गोल्डस्ट्राइक नाम से एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाया। जांच के दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट के एक स्टाफ मेंबर को उस वक्त धर दबोचा जब वह वैक्स (मोम) के रूप में सोने की धूल से भरे 7 कैप्सूल लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकलने की फिराक में था। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी कर्मचारी ने खुलासा किया कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले ट्रांजिट यात्री एयरपोर्ट के अंदर उसे यह सोना सौंपते थे, जिसे वह सुरक्षा जांच से बचाकर बाहर निकालता था। 6.85 किलो सोना बरामद, 5 बांग्लादेशी नागरिक भी धरे गएः कर्मचारी से मिली जानकारी के आधार पर डीआरआई ने जाल बिछाकर सिंडिकेट के अन्य सदस्यों को भी दबोच लिया। तलाशी के दौरान कुल 16 कैप्सूल बरामद किए गए, जिनमें 6.859 किलोग्राम 24-कैरेट सोने की धूल भरी हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 10.75 करोड़ रुपये है। मामले में कस्टम एक्ट, 1962 के तहत सोना जब्त कर लिया गया है और गिरफ्तार किए गए 6 आरोपियों में 5 बांग्लादेशी ट्रांजिट यात्री और 1 एयरपोर्ट कर्मी शामिल है। एयरपोर्ट स्टाफ की मिलीभगत से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंपः तस्करी के इस बड़े नेटवर्क में एयरपोर्ट के अंदरूनी स्टाफ की संलिप्तता सामने आने के बाद सुरक्षा और राजस्व एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार, अंदरूनी कर्मियों का इस्तेमाल कर सुरक्षा जांच को चकमा देना गंभीर चिंता का विषय है। इससे पहले अहमदाबाद एयरपोर्ट पर भी 49 लाख रुपये से अधिक का सोना पकड़ा गया था, जिसके बाद से पूरे देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

नेपाल बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 734 हुई, 3000 लोग लापता

संवाददाता

नई दिल्लीः नेपाल में बाढ़ और अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 734 हो गई है। रविवार को भी कई इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़ने से खतरा बना हुआ है। करीब 3000 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल मलबे, कीचड़ और खराब मौसम के बीच लोगों को तलाशने में जुटे हैं।

बाढ़ से सड़कें, पुल और पानी की व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसकी वजह से राहत पहुंचाने में मुश्किल आ रही है। वहीं, बाढ़ की वजह से विस्थापित हुए लोगों और अस्पतालों से निकाले गए मरीजों को जरूरी मदद हासिल करने में भी परेशानी हो रही है।

पांचवें दिन भी जारी है रेस्क्यू ऑपरेशनः भारी बारिश और कोहरे की वजह से राहत और बचाव अभियान कुछ समय के लिए रुक गया था। अब पांचवें दिन अभियान फिर तेज कर दिया गया है। हेलीकॉप्टरों ने दोबारा उड़ान भरनी शुरू कर दी है और बचाव दल सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में मलबे के बीच लोगों की तलाश कर रहे हैं।

चीन की सीमा से लगे रसुवा और नुवाकोट इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। यहां बचाव दल मलबे और क्षतिग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों को खोजने में जुटे हैं।

नेपाल और तिब्बत में करीब 3,000 लोग लापताः चीन के अनुसार, तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में अब तक 16 लोगों की मौत हुई है, जबकि 546 लोग लापता हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, नेपाल और तिब्बत को मिलाकर करीब 3,000 लोग अब भी लापता हैं। बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर लोगों की तलाश और राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

भोटेकोशी नदी का जलस्तर फिर बढ़ा, बचाव टीमों को अलर्ट रहने के निर्देशः नेपाल में विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ के कुछ दिन बाद रविवार को भोटेकोशी नदी का जलस्तर फिर बढ़ गया, जिसके बाद अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित जिलों में खोज और बचाव अभियान में लगे कर्मियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी में बुधवार को आई अचानक बाढ़ के दौरान भारी मात्रा में पानी मध्य नेपाल की ओर बह गया था। इस भीषण बाढ़ में व्यापक तबाही हुई है और मृतकों की संख्या बढ़कर करीब 700 पहुंच गई है।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने एक बयान में कहा, बाढ़ प्रभावित भोटेकोशी नदी का जलस्तर कुछ बढ़ गया है। सभी संबंधित लोगों से एहतियाती कदम उठाने का आग्रह किया जाता है। प्राधिकरण ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और चितवन जिलों में खोज एवं बचाव अभियान में लगे लोगों तथा अन्य संबंधित कर्मियों को सतर्क रहने को कहा है। एनडीआरआरएमए ने कहा कि अतिरिक्त जानकारी मिलने के बाद स्थिति के बारे में और जानकारी दी जाएगी।

नेपाल में बाढ़ के बाद अब भी शव मिलने का सिलसिला जारी है, वहीं बारिश फिर शुरू होने और नदियों का जलस्तर बढ़ने के बीच भी खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार करीब 2,400 लोग अब भी लापता हैं। तलाश और बचाव अभियान के लिए 15,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

वहीं, फंसे हुए लोगों को निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर लगातार उड़ानें भर रहे हैं। अचानक आई बाढ़ ने भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के किनारे के इलाकों को प्रभावित किया था। इससे सड़कें, पुल, बस्तियां और जलविद्युत परियोजनाओं के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

नेपाल की सेना के सूत्रों के अनुसार, त्रिशूली जलविद्युत परियोजना स्थल पर भारी बारिश के बावजूद शनिवार आधी रात के बाद भी नेपाल के सुरक्षाकर्मी भारतीय सुरंग विशेषज्ञों की मदद से फंसे लोगों को निकालने के प्रयास में सुरंग के प्रवेश द्वार का पता लगाने की कोशिश करते रहे। एनडीआरआरएमए के अनुसार, शनिवार शाम तक भोटेकोशी बाढ़ में घायल हुए 242 लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें काठमांडू के त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल और बीर अस्पताल तथा धुंचे स्थित रसुवा जिला अस्पताल शामिल हैं।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मृतका के परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप, ससुर समेत तीन गिरफ्तार

16 नामजद और 20 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

चतरा: जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के पकरिया गांव में शुक्रवार की देर रात 11 बजे विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। आरोप है कि ससुराल वालों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से पुलिस और मायके वालों को सूचित किए बिना शव अंतिम संस्कार कर दिया।पुलिस ने शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरिडीह जिले के डुमरी निवासी मृतका के भाई नितेश कुमार साहू ने बताया कि उनकी बहन चांदनी देवी की शादी 12 साल पहले पकरिया गांव के त्रिवेणी साव से हुई थी।नितेश साहू का आरोप है कि शादी के पांच साल बाद से ही त्रिवेणी साव का किसी अन्य महिला से अवैध संबंध था। जब चांदनी इसका विरोध करती थी, तो उसका पति कथित तौर पर शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था।इस प्रताड़ना में ससुर महावीर साव, सास कैलती देवी और ननद प्रतिमा देवी भी शामिल थे, जो चांदनी को शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करते थे। नितेश कुमार साहू के अनुसार, बीती रात ससुराल वालों ने उन्हें फोन पर बताया कि चांदनी की मौत पेट दर्द के कारण हुई है। जब मायके वाले दोपहर में पकरिया गांव पहुंचे, तब तक ससुराल वालों ने गुपचुप तरीके से शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। इस दौरान पुलिस को भी घटना की सूचना नहीं दी गई थी।इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि मायके वालों की सूचना पर पुलिस आज तड़के 9 बजे श्मशान घाट पहुंची, लेकिन तब तक शव पूरी तरह जल चुका था। मृतका के भाई की लिखित शिकायत के आधार पर पति त्रिवेणी साव, सास कैलती देवी, ससुर महावीर साव और अन्य रिश्तेदारों सहित कुल 16 नामजद तथा 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छुपाने का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आवेदन के पश्चात कांड संख्या 105/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए तीन लोगो को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें मृतका के ससुर महावीर साव,चाचा ससुर छोटू साव और चाचा ससुर बूचु साव का नाम शामिल है।

हजारीबाग में अफीम तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, एक घायल; दो गिरफ्तार

संवाददाता

रांची :चौपारण थाना क्षेत्र में शनिवार को पुलिस ने अफीम की कथित खरीद-फरोख्त और हथियारबंद अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। हथिया बाबा मंदिर के समीप छापेमारी के दौरान पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से दो देसी पिस्टल, जिंदा कारतूस, खोखा और अफीम बरामद करने का दावा किया है। मामले में पुलिस अब कथित अफीम तस्करी और हथियारों के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

हथियारों के साथ अफीम खरीद-फरोख्त की मिली थी सूचनाः पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि हथिया बाबा मंदिर के आसपास कुछ लोग हथियारों के साथ मौजूद हैं और अफीम की खरीद-फरोख्त में शामिल हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके में छापेमारी की। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो लोगों को पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी जंगल की ओर भागने लगा।

पुलिस पर फायरिंग का दावा, जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायलः पुलिस का दावा है कि जंगल की ओर भागने के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी के पेट में गोली लग गई और वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। घायल आरोपी की पहचान अजय सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, अजय सिंह बिहार के गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के चापी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे तत्काल बरही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रिम्स, रांची रेफर कर दिया।

त्रैवार्षिक शाखा अधिवेशन सह फेमिली सेफ्टी सेमिनार का आयोजन

मुरीः मुरी रेलवे इन्स्टीट्यूट में त्रैमासिक शाखा अधिवेशन सह फेमिली सेफ्टी सेमिनार आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता कामरेड पुलक पाल और संचालन कामरेड रामजीत ने किया। दिवंगत कामरेड एमएन प्रसाद,एसके धर व जीत सिंह ने टैंक के चित्र पर माल्यार्पण किया । इस अवसर पर एक मिनट का मौन रखा गया। यह आयोजन आल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन द्वारा किया गया। मंच पर कामरेड आर भगत, कामरेड पारस कुमार , कामरेड एसपी सिंह , कामरेड गवास्कर ,कामरेड आरके राणा , कामरेड रामजीत , कामरेड दिलीप कुमार , कामरेड सुरेन्द्र कुमार, कामरेड सीएस कुमार, कामरेड केपी मुंडा,कामरेड जे एल महतो, कामरेड उदय कुमार, मौजूद थे। कामरेड अआर प्रसाद, कामरेड जे के प्रजापति,कामरेड आरके मालाकार, कामरेड फारूक अंसारी, कामरेड कमल नयन, अनिरुद्ध कुमार, कामरेड रूपेश कुमार , कामरेड ए एन ठाकुर, कामरेड मुरारी कुमार, कामरेड एम के गुप्ता,एम के धीरज अधिवेशन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अधिवेशन में छोटी छोटी गलतियों पर पनिशमेंट देना बंद करो,मिनीमम 120 किमी गाईरेंटेड माइलेज लागू करो। हेड क्वार्टर ओवरसूट कराकर काम करना बंद करो,रंनिग रेल कर्मचारियों से नौ घंटे से अधिक ड्युटी न लिया जाए। ड्यूटी के बाद रेस्ट 30+16 46 घंटे किया जाये।

आरक्षण - सरकारी सहायता का लाभ जातिगत न होकर आर्थिक आधार पर मिलेः सुनील सिंह

मेट्रो रेज

रांचीः अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह ने कहा कि आरक्षण व्यवस्था जातिगत आधार पर न देकर आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरक्षण एवं सरकारी सहायता का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए आर्थिक स्थिति को प्रमुख आधार बनाया जाना चाहिए। गरीब व्यक्ति किसी भी जाति या वर्ग से हो उसे आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। कहा कि जब सहायता और अवसरों का निर्धारण वास्तविक आर्थिक जरूरत के आधार पर होगा, तो सरकारी योजनाओं एवं अवसरों का लाभ उन परिवारों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा, जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। उन्होने कहा कि हम किसी जाति, समुदाय, समाज के विरोधी नहीं है, हमारा उद्देश्य किसी को पीछे करना नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी समान अवसर की आवाज उठाना है, जो वर्तमान व्यवस्था में स्वयं को वंचित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को समान अवसर मिलने से विभिन्न वर्गों के बीच दूरी कम होगी और सामाजिक एकता को मजबूती मिलेगी। कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार में उचित अवसर मिलना आवश्यक है। इससे देश की प्रतिभा का बेहतर उपयोग होगा और भारत के विकास को नई गति मिलेगी। श्री सिंह ने कहा कि हमारी मंशा किसी समाज को अपमानित करने या किसी के अधिकारों को छीनने के लिए नहीं है, हमारी मांग केवल न्याय पूर्ण व्यवस्था और सम्मान अवसर की है। अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह ने यह भी कहा कि एक आईएएस अपने बच्चों की पढ़ाई में कोई फीस नहीं भरेंगे, क्योंकि उनके बच्चे एसटी/एससी समाज से आते हैं। वहीं एक चपरासी अपने बच्चों की पढ़ाई में तीन गुना फीस भरेंगे, क्योंकि उनके बच्चे सवर्ण समाज से आते हैं ! यह कहां का न्यायिक व्यवस्था है । अर्थात हमारी मांग केवल इतनी है कि आरक्षण व्यवस्था में समय के अनुरूप न्याय संगत और सकारात्मक सुधार करते हुए आर्थिक आधार पर लागू हो, ताकि सभी को समान अवसर तथा समान अधिकार मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि एक हीं परिवार की कई पीढ़ियां आरक्षण के माध्यम से उच्च पदों और महत्वपूर्ण अवसरों तक पहुंच चुकी हैं, तो व्यवस्था में ऐसी समीक्षा का प्रावधान होना चाहिए, जिससे वास्तविक रूप से पिछड़े और जरूरतमंद परिवारों को भी अवसर मिल सके। क्योंकि सवर्ण समाज के ब्राह्मण, राजपूत, भूमिहार और कायस्थ परिवारों में भी आर्थिक रूप से अति पिछड़े एवं गरीब हैं। जिन्हें आरक्षण का लाभ दिए जाने की जरूरत है। अर्थात आरक्षण जातिगत आधार पर न देकर, आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए।

ताकि सभी को समान अवसर व समान अधिकार मिल सके। जिससे समाज में वैमनस्यता और असमानता को दूर किया जा सकेगा।

ओलंपियन निक्की प्रधान के गांव का रास्ता बदहाल शिलान्यास के ढाई साल बाद भी पुल अधूरा

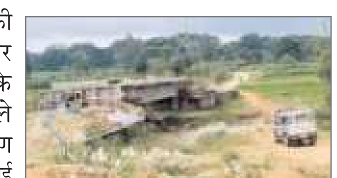

रांची:भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी और ओलंपियन निक्की प्रधान के गांव हिसल जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर पुल निर्माण का काम शिलान्यास के ढाई साल बाद भी अधूरा पड़ा है। इससे क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एनएच-20 स्थित नील फैक्ट्री से खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग के पेलौल गांव तक बनी सड़क भी कई जगहों पर क्षतिग्रस्त होने लगी है।

इस मार्ग पर 9 दिसंबर 2023 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने 22.40 मीटर लंबे पुल का शिलान्यास किया था। पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल खूंटी की ओर से कराया जा रहा है। शिलान्यास के दो साल से अधिक समय बीतने के बावजूद निर्माण पूरा नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों के लगातार दबाव के बाद ठेकेदार की ओर से पुल निर्माण स्थल पर तीन ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी कच्चा डायवर्सन बनाया गया है। इससे बाइक, ऑटो और छोटे चारपहिया वाहन किसी तरह आवागमन कर रहे हैं, लेकिन बड़ी गाड़ियों का गुजरना संभव नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के दौरान डायवर्सन के ऊपर से पानी बहने लगता है, जिससे रास्ता पूरी तरह बाधित हो जाता है। ऐसी स्थिति में कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो जाता है।

यह मार्ग क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण है। पेलौल से नील फैक्ट्री के बीच निक्की प्रधान का गांव हिसल स्थित है। इसके अलावा सांसद कालीचरण मुंडा का गांव माहिल, पेरका, हांसा सहित कई गांव इसी सड़क से जुड़े हैं। गानालोया, ओस्केया, बम्हनी, बालो, तोरपा और तपकरा जाने वाले लोगों के लिए भी यह प्रमुख मार्ग है।

रात से बुजुर्ग लापता, खोज जारी

मुरीः सिल्ली बन्ता गांव के एक बुजुर्ग रात एक बजे बिना किसी को बताये घर से निकलकर कहीं चले गये हैं। उसका नाम महावीर अहीर है, उनके हाथ में एक डंटा है और एक गमछा है। अगर किसी को मिलतें है तो इस नंबर में 9798515456//8986817742 पर सूचना दे । महावीर अहीर के लड़का विनय ने बताया कि पिताजी को ढूंढ रहे हैं, अभी तक पुलिस को सूचित नहीं किये हैं। थोड़ा और जगह देख रहे हैं।

सरस्वती संस्कार केंद्रों में उत्साहपूर्वक मनाया गया रक्षाबंधन

चतराः इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय चतरा द्वारा संचालित सभी सरस्वती संस्कार केंद्र- झुमरा, मूर्तियाटोली, खांचा डाबर, मायापुर एवं आसानी खुर्द में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर भैया-बहनों ने एक-दूसरे की कलाई पर राखी बांधकर प्रेम, स्नेह, सुरक्षा एवं आपसी विश्वास के अटूट बंधन को मजबूत करने का संदेश दिया। विभिन्न संस्कार केंद्रों के प्रमुख आचार्यों ने रक्षाबंधन के सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का पवित्र पर्व है, जो जाति-धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर आपसी स्नेह और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

मां कौलेश्वरी धाम में जल्द शुरू होगा रोपवे का निर्माण

दिसंबर 2026 तक कार्य प्रारंभ होने की उम्मीद

संवाददाता

चतराः चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने रांची में पर्यटन, कला-संस्कृति विभाग के सचिव मुकेश कुमार से मुलाकात कर चतरा के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल मां कौलेश्वरी धाम में रोपवे निर्माण को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान धाम के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्यटन की संभावनाओं को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। मां कौलेश्वरी धाम धार्मिक आस्था के साथ-साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थल है। यह तीन धर्मों की आस्था के संगम के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। रोपवे के निर्माण से श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को पहाड़ी तक पहुंचने में काफी सुविधा मिलेगी और धाम के पर्यटन विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित रोपवे का निर्माण कार्य दिसंबर 2026 के अंत तक शुरू होने की बात कही गई है। इसके निर्माण से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। सांसद श्री सिंह ने कहा कि मां कौलेश्वरी धाम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। धाम का समग्र विकास होने से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के अवसर भी बढ़ेंगे।उन्होंने कहा कि मां कौलेश्वरी धाम केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि चतरा की समृद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। इसके विकास के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेगा। क्षेत्रवासियों ने रोपवे निर्माण की पहल को धाम के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। लोगों को उम्मीद है कि रोपवे बनने के बाद मां कौलेश्वरी धाम में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी और यह क्षेत्र पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित होगा।

तस्करी के दौरान पलटा मवेशियों से लदा वाहन, एक दर्जन से अधिक पशुओं की मौत

चतराः जिले के मयूरहंड में शनिवार की अहले सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने मवेशी तस्करी के कथित नेटवर्क की भयावह तस्वीर सामने ला दी। मयूरहंड थाना क्षेत्र में मवेशियों से लदा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में करीब 15 गायों की मौत हो गई, जबकि 3 से 4 मवेशी घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने जब वाहन के अंदर का दृश्य देखा तो उनके होश उड़ गए। मवेशियों को कथित तौर पर पैर बांधकर बेहद तंग जगह में ठूंसकर ले जाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार,सुबह करीब 4 बजे चतरा-हजारीबाग मुख्य मार्ग पर हुसिया बाजार से आगे पंचमो जंगल के समीप मवेशियों से भरा पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया। तेज रफ्तार में जा रहे वाहन के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद पिकअप सड़क किनारे पलट गया। वाहन के पलटते ही उसमें लदे मवेशी एक-दूसरे के ऊपर दब गए। हादसा इतना भयावह था कि कई मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मयूरहंड थाना प्रभारी राहुल दुबे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में ले लिया और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घायल मवेशियों का पशु चिकित्सकों की टीम की मदद से इलाज कराया जा रहा है। वहीं, मृत मवेशियों को नियमानुसार दफनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

व्हाट्सएप पर आया लिंक, क्लिक करते ही खाते से उड़े 9,999 रुपये

-मौसेरे भाई के नंबर से आया था लिंक, मोबाइल हैक होने के बाद साइबर ठगी

- अनजान लिंक पर क्लिक किया तो खाली हो सकता है बैंक खाताःथाना प्रभारी

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। पांडेपुरा गांव निवासी अब्दुल जब्बार को व्हाट्सएप पर आए एक लिंक पर क्लिक करना महंगा पड़ गया। लिंक पर क्लिक करने के कुछ देर बाद ही उनके बैंक खाते से 9,999 रुपये की निकासी हो गई।अब्दुल जब्बार ने बताया कि उनका खाता बैंक ऑफ इंडिया की हंटरगंज शाखा में है। 28 अगस्त की शाम उनके व्हाट्सएप पर उनके मौसेरे भाई शाकिर हुसैन के मोबाइल नंबर से एक लिंक भेजा गया था। परिचित के नंबर से लिंक आने के कारण उन्होंने उस पर क्लिक कर दिया। इसके बाद उनका मोबाइल हैक होने की बात सामने आई और कुछ देर बाद खाते से एक बार में 9,999 रुपये निकल गए।खाते से रुपये निकासी का मैसेज मिलते ही अब्दुल जब्बार परेशान हो गए। उन्होंने तुरंत खाते में बचे पैसे दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद साइबर क्राइम के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के साथ हंटरगंज थाना पहुंचकर मामले की प्राथमिकी दर्ज कराई।मामले की जानकारी मिलने के बाद हंटरगंज पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।थाना प्रभारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि व्हाट्सएप पर किसी अनजान लिंक पर जल्दबाजी में क्लिक न करें। परिचित के मोबाइल नंबर से लिंक आने पर भी पहले फोन कर इसकी पुष्टि जरूर कर लें।

आदिवासी एकता महाजुटान रैली

मोरहाबादी मैदान में उमड़ी भीड़, पांच लाख लोगों के शामिल होने का दावा

आदिवासी महाजुटान, राहुल गांधी का संदेश- परिसीमन सिर्फ सीटों का सवाल नही, हक की लड़ाई

संवाददाता

रांचीः झारखंड में प्रस्तावित परिसीमन के विरोध में आदिवासी संगठनों ने 30 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आदिवासी एकता महारैली का आयोजन किया है। इस महारैली में शामिल होने के लिए झारखंड के अलग-अलग हिस्सों से आदिवासी समाज के लिए रांची के मोरहाबादी मैदान पहुंचे है। आयोजकों को दावा है कि महारौली में पूरे झारखंड के करीब 5 लाख लोग जुटेंगे। मंच में एक ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दूसरी ओर राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी की तस्वीर लगी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी आमंत्रित किया गया है। बीजेपी नेताओं को इसमें शामिल होने की अपील की गई है। इस महारैली के मुख्य आयोजनकर्ता पूर्व मंत्री बंधू तिर्की है। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, बंधु तिर्की, शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदीप यादव, पूर्व लोकसभा सांसद

सुबोध कांत सहाय और कई कांग्रेस के कोई नेता आदिवासी एकता महाजुटान रैली में शामिल हुए। सभी नेता मंच पर पहुंच चुके है। मंच का संचालन रमा खलखो कर रही है।

बंधू तिर्की ने दावा किया कि झारखंड में बीजेपी का जनाधार खत्म हो चुका है, इसलिए वह जैसे-तैसे परिसीमन और एसआईआर के भरोसे सत्ता हासिल करना चाहती है। उन्हें पता है कि अगर परिसीमन लागू हुआ तो झारखंड में आदिवासियों की आरक्षित लोकसभा और विधानसभा की सीटें घटेगीं। यह राज्य का मसला है, इसलिए सभी दलों को इसे लेकर सामने आना चाहिए। बंधू तिर्की ने महारैली को चर्च की प्रायोजित रैली बताने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि क्या ईसाई आदिवासी नहीं हैं। धर्म परिवर्तन करने से क्या जाति बदल जाती है। अगर इसकी चिंता मिशनरी करती है, तो इसमें गलत क्या है। 30 अगस्त के बाद ऐसी बातें करने वालों से बात की जाएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद की ये सबसे बड़ी रैली होगी।

सुरक्षा व्यवस्था हाई अलर्ट : रैली में राज्य के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के मोरहाबादी मैदान पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारी की है। एसएसपी राकेश रंजन ने जिले के सभी एसपी, डीएसपी और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है।

सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है।

पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र की संवेदनशील जगहों पर विशेष नजर रखने का निर्देश भी दिया गया है। रैली को देखते हुए मोरहाबादी मैदान और इसके आसपास के इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस लाइन में तैनात जवानों को भी ड्यूटी में लगाया जाएगा। रैली स्थल पर आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

यातायात व्यवस्था पर विशेष फोकसः महाजुटान में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था को लेकर भी पुलिस ने तैयारी की है। मोरहाबादी और आसपास के प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग, भारी नुकसान

संवाददाता

धनबादः जिले के वासेपुर के आरा मोड़ क्षेत्र में आधी रात को लगी अचानक आग से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में दुकान से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगी और पूरा इलाका धुएं से भर गया । घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है ।

शनिवार देर रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच 'वसीम फल वाले' की दुकान में अचानक आग लग गई । देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया । दुकान से निकलती आग की लपटों को देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल इसकी सूचना दमकल विभाग को दी । सूचना पाकर दमकल टीम अग्निशमन वाहन के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया ।

दमकल कर्मियों की तत्परता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया । राहत की बात यह रही कि आग आसपास की दुकानों तक नहीं पहुंच सकी । यदि दमकल की टीम को मौके पर पहुंचने में थोड़ी भी देर हो जाती, तो आग आसपास की कई दुकानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी ।

बताया जा रहा है कि दुकान में ड्राई फ्रूट, स्नैक्स के अलावा गेठिया-पापड़ी बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री रखी हुई थी । आग की चपेट में आने से दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर बर्बाद हो गया । शुरूआती अनुमान के मुताबिक, अग्निकांड में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है ।

एक कदम देश के नाम ,एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम संपन्न

रांचीः मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा एवं जागृति महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में वॉल्कथोन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिनू चौक से एयरपोर्ट पार्किंग पार्क तक सभी सदस्य पैदल चालन किया । पार्क पहुंचने के पश्चात सभी सदस्यों ने मिलकर पार्क की सुंदरता एवं पर्यावरण की सुरक्षा हेतु एक-एक पौधा लगाए। इस अवसर पर मंच के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व उपाध्यक्ष रोहित शारदा मुख्य अतिथि स्वरूप उपस्थित थे । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने देश के लिए भी ठीक उसी प्रकार सोचे जैसे वह अपने परिवार के प्रति सोच रखते हैं । उसकी सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा हेतु अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाते हुए अपने आसपास सफाई रखें। श्री शारदा द्वारा पौधा लगाकर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक राजीव केडिया एवं सौरभ विजय ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच का कार्यक्रम पूरे प्रांत में एक साथ एक समय एक दिन मनाया जा रहा है। जागृति महिला शाखा की अध्यक्ष प्रमिला सराफ एवं खुशबू शारदा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। मंच के सचिव राघव शारदा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच की पुरुष एवं महिला शाखा के सभी अध्यक्षों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस बारिश के मौसम में लगातार पौधरोपण का कार्यक्रम निरंतर चलता रहना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंच के पूर्व अध्यक्ष रोहित शारदा, बालवीर जैन, कृष्ण कुमार पिलानिया, संजय अग्रवाल, राजीव केडिया, संजय कुमार अग्रवाल, मनीष खटोड़, राघव शारदा, सौरभ विजय,समर्थ तायल, पवन केडिया, अनुराग सिंघानिया, नितिन अग्रवाल, अनमोल सिंघानिया, काव्यांश केडिया, महिला जागृति शाखा की पूर्व अध्यक्ष मधु पिलानिया ,बिना शारदा ,अनीता अग्रवाल, अध्यक्ष प्रमिला सराफ,सचिव खुशबू शारदा, रीना केडिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीसीएल की जेसीएससी बैठक में मेडिकल रेफर प्रक्रिया सरल करने पर बनी सहमति

संवाददाता

रांचीः सीसीएल में शनिवार को संयुक्त सलाहकार संचालन समिति (जेसीएससी) की बैठक हुई। बैठक में मेडिकल रेफर प्रक्रिया को सरल बनाने की जानकारी दी गई। प्रबंधन ने बताया कि इसके लिए नया एसओपी तैयार किया जा रहा है। इसमें इलाज के दौरान मरीज को दूसरे अस्पताल में रेफर करने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा।

मरीजों को रेफर कराने में होने वाली परेशानी का उठा मुद्दाः बैठक में मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने मरीजों को रेफर कराने में होने वाली परेशानियों की जानकारी प्रबंधन को दी। प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान प्रक्रिया के कारण इलाज के दौरान मरीजों को दूसरे अस्पताल में रेफर कराने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए प्रक्रिया को सरल करने की जरूरत है।

एक साल बाद जेसीएससी की बैठक होने पर मजदूर यूनियनों के प्रतिनिधियों ने आपत्ति भी जतायी। उन्होंने कहा कि नियमित अंतराल पर बैठक होने से कर्मचारियों और मजदूरों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सकता है।

पेयजल समस्या पर होगी अलग से विस्तृत बैठकः बैठक में सीसीएल के अलग-अलग एरिया में पेयजल की समस्या का मुद्दा भी उठा। प्रबंधन की ओर से बताया गया कि पेयजल से जुड़ी समस्याओं पर अलग से विस्तृत बैठक की जाएगी। इसमें संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं की समीक्षा कर उनके समाधान पर चर्चा होगी। प्रबंधन ने बैठक में बताया कि सीसीएल के कुछ एरिया में मॉडल आवासीय परिसर बनाए जाएंगे। इसके लिए जीएम वेलफेयर को अधिकृत किया गया है। बैठक में चूरी घटना को लेकर भी चर्चा की गई और इससे जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

उम्र सीमा विवाद की जांच का आश्वासनः मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने मैट्रिक पास नियुक्त होने वाले कर्मियों की उम्र सीमा से जुड़े विवाद का मुद्दा भी उठाया। प्रतिनिधियों ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कर्मियों की उम्र का आकलन कराया जा रहा है। इससे कई मजदूरों की उम्र कम निर्धारित की जा रही है, जिससे उन्हें नौकरी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अधिकारियों ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया। बैठक में सीसीएल के सीएमडी, डीपी के साथ यूनियन नेता रमेंद्र कुमार, अशोक यादव, कमलेश कुमार सिंह, डीएन सिंह, राघवन रघुनंदन, नरेश मंडल, एसके चौधरी सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

रंगीन मछली पालन व मत्स्य पालन प्रशिक्षण का शुभारंभ

मत्स्य कृषकों की आमदनी बढ़ाना प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य : अमरेन्द्र कुमार

मेट्रो रेज

रांचीः मत्स्य निदेशालय, झारखंड की ओर से रंगीन मछली एवं पांच दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ शनिवार से हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक मत्स्य, अमरेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के साथ किसानों को स्वरोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध कराना प्रशिक्षण का प्रमुख लक्ष्य है। रंगीन मछली पालन के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए यह प्रशिक्षण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का

उद्देश्य किसानों एवं मत्स्य पालकों को रंगीन एवं सजावटी मछली पालन की आधुनिक और उन्नत तकनीकों से अवगत कराना है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस अवसर पर उप मत्स्य निदेशक, (जलाशय) शंभू प्रसाद यादव, सहायक मत्स्य निदेशक (अनुसंधान) गीतांजलि कुमारी समेत अन्य लोग मौजूद थे। उक्त जानकारी मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र धुर्वा के मुख्य अनुदेशक जयंत रंजन ने दी।

बारिश में टूटा लातेहार के राजडंडा नदी का पुल, आवागमन ठप

लातेहारः जिले के महुआडांड़ इलाके में हुई मूसलाधार बारिश के कारण महुआडांड़ प्रखंड के राजडंडा नदी पर बना पुल ध्वस्त हो गया। पुल टूटने के बाद महुआडांड़-गारू-लातेहार-पलामू सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। आवागमन बंद होने से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इतना ही नहीं नदी उफान पर है, जिसके कारण पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से गाड़ियों को इस रास्ते पर चलने से रोक दिया है। दरअसल, लातेहार जिले के महुआडांड़, गारू आदि इलाके में शनिवार से जोरदार बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण राजडंडा नदी का जलस्तर बढ़ गया। तेज बहाव और पानी के दबाव के कारण पुल का एक हिस्सा टूट गया। पुल टूट जाने की खबर मिलने के बाद प्रशासन की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और इस रास्ते को सील कर दिया। इससे महुआडांड़ से गारू, लातेहार और पलामू जाने का रास्ता भी बंद हो गया। हालांकि, प्रशासन ने गाड़ियों की आवाजाही के लिए एक वैकल्पिक मार्ग खोल दिया है। इधर, ग्रामीणों ने बताया कि पुल टूट जाने के कारण इस मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही ठप हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि यह काफी महत्वपूर्ण सड़क है। इस पर हजारों गाड़ियां चलती है। लातेहार-पलामू-महुआडांड़ से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली इस सड़क पर स्थित पुल टूट जाने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिहार उत्कर्ष सम्मान व संवाद कार्यक्रम 30 सितंबर को

- जुटेगा बिहार का हुनर, 50 प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान

मेट्रो रेज

पटनाः बिहार की प्रतिभाओं, उपलब्धियों और उत्कृष्ट कार्यों को सम्मान देने के उद्देश्य से आगामी 30 सितंबर को बिहार दूत मीडिया की ओर से बिहार उत्कर्ष सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समारोह में शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, समाजसेवा, उद्योग, कला, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 50 लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, समारोह में बिहार सरकार के 5 मंत्री, एक दर्जन से अधिक विधायक, भारतीय प्रशासनिक सेवा के कई वरिष्ठ अधिकारी सहित प्रदेश की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली प्रतिभाओं और गणमान्य लोगों की मौजूदगी रहेगी।

इस आयोजन की खास बात यह होगी कि बिहार में रहकर उत्कृष्ट कार्य करने वाली

प्रतिभाओं के साथ-साथ देश के दूसरे राज्यों में रहकर अपने कार्यों से बिहार का नाम रोशन करने वाले बिहारवासियों को भी सम्मानित किया जाएगा। ऐसे लोगों के योगदान और उपलब्धियों को मंच के माध्यम से सामने लाने का प्रयास किया जाएगा।

बिहार उत्कर्ष सम्मान एवं संवाद केवल सम्मान समारोह तक सीमित नहीं रहेगा। कार्यक्रम के दौरान बिहार के विकास, संभावनाओं, चुनौतियों और भविष्य की दिशा को लेकर संवाद भी किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी लोगों, विशेषज्ञों और प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में बिहार के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार की उन प्रतिभाओं को पहचान और सम्मान देना है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज के साथ-साथ प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया है।

समारोह में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी, उद्योग जगत से जुड़े लोग, शिक्षाविद्, चिकित्सक, कलाकार, खिलाड़ी और अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे।

एक मंच पर दिखेगा बिहार का हुनर, उपलब्धियां और अनुभवः बिहार उत्कर्ष सम्मान एवं संवाद के जरिए प्रदेश की प्रतिभाओं को सम्मान देने के साथ-साथ बिहार के विकास और भविष्य को लेकर सकारात्मक संवाद की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की जाएगी।

कार्यालय, जिला परिषद, रॉंची (अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन आमंत्रण सूचना

संख्या –21 / 2026–2027

1. विज्ञापनदाता का नाम :जिला अभियंता जिला परिषद रॉंची
2. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :सहायक अभियंता, जिला परिषद रॉंची। जिला अभियंता, जिला परिषद, कार्यालय, रॉंची
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :दिनांक 09.09.2026 (अपराह्न 3.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि :दिनांक 10.09.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक
5. निविदा प्राप्त करने का स्थान :जिला नियंत्रण कक्ष, रॉंची।
6. निविदा खोलने की तिथि :दिनांक 10.09.2026 को अपराह्न 3:30 बजे।
7. निविदा खोलने का स्थान :जिला परिषद, कार्यालय, रॉंची।
8. कार्य का विस्तृत विवरणी :

क्र0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
01	शहरी क्षेत्र अंतर्गत सृजन हेल्थ सेंटर कुम्हार टोली न्यू मधुकम, रॉंची में दो युनिट शौचालय और किचन निर्माण कार्य।	10,48,900.00	21,000.00	2500.00	तीन माह

नोटः 1. निविदा की अन्य शर्तें जिला परिषद, कार्यालय, रॉंची के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2. इस निविदा में जिला परिषद, रॉंची अन्तर्गत निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक भाग लेगें।
3. जिन संवेदक का कार्य जिला परिशद रॉंची में कार्य चल रहा है या लम्बित है वे संवेदक इस निविदा में भाग नहीं लेगें उनकी निविदा अमान्य कर दी जाएगी।

जिला अभियंता
जिला परिषद रॉंची

PR 388601 (Panchayati Raj)26-27*D

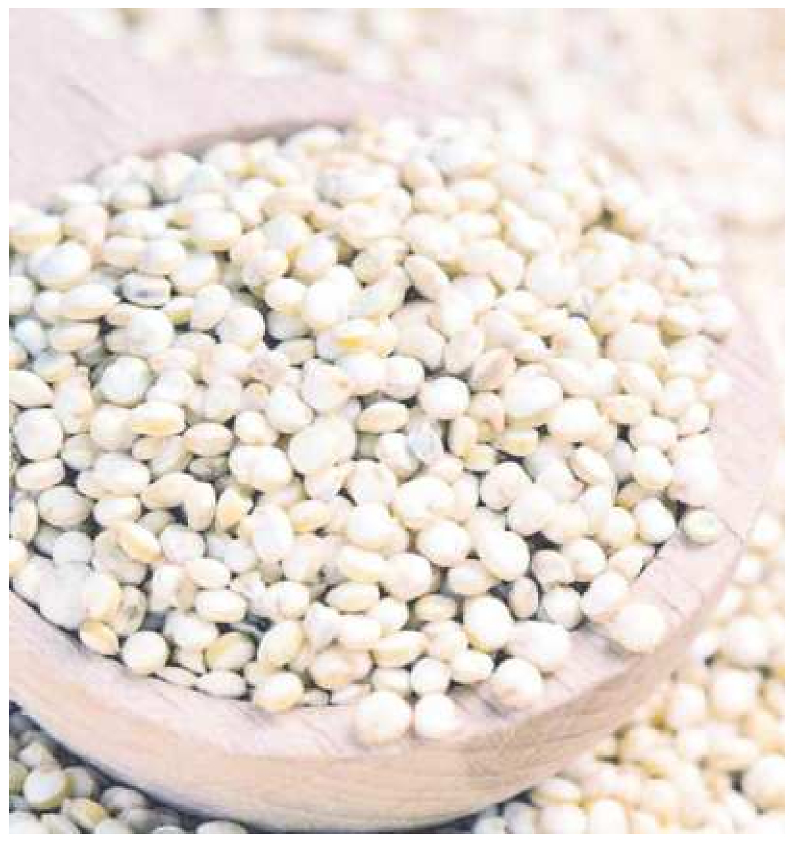

भूलने की बीमारी से बचाएगा विटमिन डी

टमिन डी की कमी से भूलने का जोखिम बढ़ सकता है। एक रिसर्च के अनुसार, विटमिन डी की अधिक कमी वाले लोगों में डिमेंशिया होने की संभावना 122 प्रतिशत अधिक होती है। देश में लगभग 65 से 70 प्रतिशत भारतीयों में इस विटमिन की कमी है। विटमिन डी शरीर की लगभग हर कोशिका को प्रभावित करता है। यह सूर्य के प्रकाश में रहने पर त्वचा में उत्पन्न होता है और कैल्शियम के अवशोषण तथा हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

विटमिन डी का लेवल कम होने पर हड्डियों को नुकसान पहुंचता है। हालांकि, यह विटमिन दिल, मस्तिष्क और प्रतिरक्षा तंत्र के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विटमिन डी 2 हमें खाद्य पदार्थों से मिलता है, जबकि विटमिन डी 3 सूर्य की रोशनी पड़ने पर हमारे शरीर में उत्पन्न होता है।

दोनों विटमिन हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। रोजाना सूर्य की रोशनी में दस मिनट खड़े रहने पर भी पर्याप्त मात्रा में विटमिन डी हमारे शरीर को प्राप्त हो जाता है। इसके अलावा अन्य स्त्रोत्र भी है।

सूरजमुखी के बीज

यह तेल कॉड मछली के यकृत से प्राप्त होता है और सेहत के लिए बेहद अच्छा माना जाता है। इससे जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद मिलती है और इसे कैप्सूल या तेल के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

मशरूम

यदि आपको मशरूम पसंद हैं, तो आपको विटमिन डी भरपूर मिल सकता है। सूखे मशरूम विटमिन डी 3 के साथ-साथ विटमिन बी के भी शानदार स्त्रोत हैं। इनमें कम कैलोरी होती है और इन्हें जब चाहे खाया जा सकता है।

कॉड लिवर ऑयल

इनमें न केवल विटमिन डी 3, बल्कि मोनोअनसैचुरेटेड वसा और प्रोटीन भी भरपूर होता है। विटमिन डी शरीर की लगभग हर कोशिका को प्रभावित करता है। इसकी कमी से दिमाग पर भी असर पड़ता है।
-डॉ. आदर्श त्रिपाठी, मनोचिकित्सक, केजीएमयू

ब्रेस्ट कैंसर के दुष्प्रभावों से बचने के लिए खाएं

सोया, ब्रॉकली

जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकताओं के अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि पत्तागोभी और ब्रॉकली जैसी सब्जियां और सोयाबीन से बने खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाले मरीजों में रजोनिवृत्ति के लक्ष ा कम देखने को मिले। यही नहीं, ज्यादा सोयाबीन उत्पाद खाने वाले मरीजों में कम थकान की रिपोर्ट मिली। अनुसंधानकताओं के मुताबिक जैव सक्रिय भोजन के अवयव जैसे-सोयाबीन के खाद्य उत्पाद में आईसोफ्लेवन्स और क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स में पाये जाने वाले ग्लूकोसिनोलेट्स फायदे के स्रोत हो सकते हैं।

न्यूयॉर्क : सोयाबीन उत्पाद जैसे सोया दूध व पनीर और सब्जियां जैसे बंदगोभी, पत्तागोभी और हरी फूलगोभी यानी ब्रॉकली खाने से ब्रेस्ट कैंसर के उपचार के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। ब्रेस्ट कैंसर की की रोकथाम के लिए जो उपचार हैं उनमें शरीर में ऐस्ट्रोजेन नामक हार्मोन का उत्पादन व उपयोग को रोक दिया जाता है क्योंकि इस हार्मोन से ब्रेस्ट कैंसर के फोड़े के विकास को बल मिलता है, जिससे मरीज के शरीर में गर्मी व उबाल सा महसूस होता है, रात में पसीने आते हैं और रजोनिवृत्ति के लक्षण दिख सकते हैं।

जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकताओं के अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि पत्तागोभी और ब्रॉकली जैसी सब्जियां और सोयाबीन से बने खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाले मरीजों में रजोनिवृत्ति के लक्षण कम देखने को मिले। यही नहीं, ज्यादा सोयाबीन उत्पाद खाने वाले मरीजों में कम थकान की रिपोर्ट मिली।

अनुसंधानकताओं के मुताबिक जैव सक्रिय भोजन के अवयव जैसे-सोयाबीन के खाद्य उत्पाद में आईसोफ्लेवन्स और क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स में पाये जाने वाले ग्लूकोसिनोलेट्स फायदे के स्त्रोत हो सकते हैं। आईसोफ्लवन्स से ऐस्ट्रोजन ग्राही में बंद हो जाता है और इस तरह दुर्बल ऐस्ट्रोजेनिक प्रभाव कार्य करता है। वहीं, क्रूसिफेरस वेजिटेबल्स में मौजूद ग्लूकोसिनोलेट्स से उपापचय में शामिल पाचक रस (मेटाबोलाइजिंग इंजाइम्स) के स्तर पर असर पड़ता है। इससे सूजन व ऐस्ट्रोजेन के स्तर व्यवस्थित होते हैं और उपचार संबंधी लक्षण संभवतया कम होते हैं।

जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी के लोमबार्डी कांप्रिहेन्सिव कैंसर सेंटर के इस शोध के प्रमुख लेखक सारा ओपनीयर नोमूरा ने बताया कि यह अध्ययन उपचार के दुष्प्रभावों से संबंधित जीवन पद्धति के कारकों जैसे- खानपान की आदतों की संभावित भूमिका पर शोध की मुख्य कमी को दूर करता है। ब्रेस्ट कैंसर रिचर्स एंड ट्रीटमेंट में प्रकाशित इस शोध अध्ययन में 173 गैर-हिस्पेनिक ह्वाइट और 192 चीनी मूल की अमेरिकी महिलाओं को शामिल किया गया था। अध्ययन में ज्यादा सोयाबीन उत्पाद का सेवन करने वाली महिलाओं में जोड़ों में दर्द की तकलीफें, बाल कम होने या झड़ने व याद्दाश्त की समस्याएं कम देखने को मिली। हालांकि इसका सांख्यिकी संबंधी आधार नहीं है। अनुसंधानकताओं ने इस संबंध में यह चेतावनी दी है कि जब तक और ज्यादा अध्ययन नहीं किया जाता तब तक मरीजों को एकाएक सोया उत्पाद खाना शुरू नहीं करना चाहिए।

नाश्ता नहीं करने से बढ़ सकता है वजन

एक नए अध्ययन के अनुसार अगर आप सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं लेकिन दिन भर संयमित तरीके से भोजन करते हैं, तब भी आपका वजन बढ़ सकता है।

दरअसल, सुबह का नाश्ता नहीं करने से बॉडी क्लॉक गड़बड़ हो जाती है जिससे वजन बढ़ता है। साथ ही नाश्ता स्किप करने से टाइप-2 डायबीटीज और हृदय संबंधी बीमारियां होने की भी आशंका रहती है। तेल अबीब यूनिवर्सिटी और इजरायल की हीब्रू यूनिवर्सिटी के अनुसंधाकताओं ने अपने अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है।

पेनकिलर से मोटापे का खतरा दोगु ा

हाल ही में हुई एक स्टडी में चेतावनी दी गई है कि सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाली पेनकिलर्स का अगर ज्यादा सेवन किया जाए तो मोटापा और अनिद्रा की समस्या दोगुनी बढ़ जाती है। यूके की न्यूकासल यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकताओं ने इस तरह की दवाओं से जुड़े गंभीर खतरे को उजागर करते हुए इनके इस्तेमाल में कमी लाने की बात कही है। इस स्टडी के नतीजे plos one नाम के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। इस स्टडी में यूके के 1 लाख 33 हजार प्रतिभागियों को शामिल किया गया था और अनुसंधाकताओं ने इन सभी प्रतिभागियों के कार्डियो-मेटाबॉलि हेल्थ का मूल्यांकन किया। इस स्टडी के नतीजे बताते हैं कि क्रॉनिक पेन के लिए दी जाने वाली दवाईयां कम समय के लिए ली जानी चाहिए क्योंकि इससे सेहत को गंभीर नुकसान होने की

तंबाकू ही नहीं पान व सुपारी से भी बढ़ता है कैंसर का खतरा

नयी दिल्ली : आम तौर पर लोग तंबाकू से कैंसर और अन्य खतरों के बारे में तो जानते हैं लेकिन विशेषज्ञ पान और सुपारी को भी उतना ही खतरनाक बताते हैं और लांसेट पत्रिका ने भी इन पर रोकथाम के लिए कोई नीति और दिशानिर्देश नहीं होने की ओर इशारा करते हुए व्यापक अनुसंधान की जरूरत बताई है. लांसेट पत्रिका ने दिसंबर के अंक में ह्यआंकोलॉजीह्ल श्रेणी में एक रिपोर्ट जारी की है. इसमें लिखा है कि पान और सुपारी का एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों में व्यापक इस्तेमाल किया जाता है. दोनों ही पदार्थ कई तरह के मुख और इसोफेगल (आहार नली) कैंसर के लिए जोखिम भरे माने जाते हैं. इसमें कहा गया है कि पान और सुपारी का इस्तेमाल करने वालों के लिए रोकथाम कार्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा इनके इस्तेमाल से होने वाले कैंसर के बढ़ते खतरों पर ध्यान देने के लिहाज से प्रमाण आधारित स्क्रीनिंग और जल्द डायग्नोसिस की प्रणाली तैयार करने की दिशा में भी अनुसंधान बढ़ाना होगा. पत्रिका के अनुसार दुनियाभर में जन स्वास्थ्य को लेकर अनदेखी के शिकार इस क्षेत्र पर ध्यान देने के लिए बहुविषयक अनुसंधान जरूरी है.सुपारी और पान के इस्तेमाल पर रोक के लिए प्रयासों को भी गति प्रदान करना जरूरी है.

शिशु के लिये अच्छा मसाज तेल

शिशु की मालिश बहुत जरुरी होती है तभी तो नई मां हर दिन अपने बच्चे को नहलाने से पहले उसे दिन में तेल से मालिश करती है। शिशु को नहलाने से पहले मालिश करनी जरुरी है क्योंकि इससे बच्चे की हड्डियां मजबूत बनती हैं। यह प्रथा पुराने सालों से चली आ रही है। अगर तेल अच्छा हो तो बच्चे का स्वास्थ्य सदा के लिये बना रहता है। कई बार नई माएं इस बात पर कन्फ्यूज हो जाती हैं की बच्चे को कौन सा तेल लगाया जाए जो उसके शरीर में मजबूती ला सके। आज हम आपको ऐसा तेल बताएंगे जिसे आप अपने शिशु की मालिश के लिये प्रयोग कर सकती हैं। इन तेलों को अगर बच्चा गलती से भी चाट ले तो भी उसके स्वास्थ्य पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। तो आइये जानते हैं बेबी ऑयल मसाज के बारे में...

वेजिटेबल ऑयलः- यह तेल आराम से पच जाता है तो अगर आपके बच्चे से मालिश करनवाने के बाद अपना अंगूठा चाटने की कोशिश की तो यह तेल उसको नुकसान नहीं पहुंचाएगा। यह तेल आसानी से बच्चे के शरीर में मिल भी जाता है।

नारियल तेलः- इस तेल से बच्चे और बडों दोनो की मालिश संभव है। अगर इसका गरम तेल शरीर पर मालिश करें तो यह तेल त्वचा, बाल और हड्डियों के लिये अच्छा होता है। गर्मियों के दिनों में कुछ महिलाएं बच्चों की मालिश करती हैं।

सरसों का तेलः- यह तेल शरीर को गर्म, हड्डियों में मजबूती और सर्दी जुखाम से राहत दिलाता है। इस तेल को लगाने से बच्चे की बढत होती है और शरीर से अनचाहे बाल भी साफ होते हैं।

जैतून तेलः- यह तेल बाल बढाने के लिये अच्छा है। अगर बच्चे के सिर पर कम बाल हैं तो इस तेल से उसके सिर की मालिश करें और आधे घंटे बाद नहला दें।

दिन में गर्मी, रात में सर्दी, कहीं बिगाड़ न दे सेहत

सुबह के समय प्रदूषण और स्मॉग ज्यादा रहता है। ऐसे में घर से बाहर निकलते समय मास्क जरूर पहनें। इस मौसम में स्वाइन फ्लू का खतरा ज्यादा रहता है। इसलिए प्रेग्नेंट महिलाएं हर 6 माह में स्वाइन फ्लू की वैक्सीन जरूर लगवाएं।
अपने हाथ साफ रखें। उन्हें कुछ भी छूने के बाद जरूर धुलें, ताकि कीटाणु पैर न पसार सकें। यही कीटाणु मौसम की बीमारियों को जन्म देकर उन्हें तीव्रता से फैलाते हैं। इनमें आपके हाथों का रोल सबसे ज्यादा होता है।
अपने आसपास भी सफाई बनाए रखें।
आजकल शादी व पार्टियां खूब हो रही हैं। यह मौसम खाने-पीने के लिहाज से काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन खाने-पीने में ख्याल न रखने से उल्टी, दस्त आदि के शिकार हो सकते हैं। इसकी वजह फूड पॉयजनिंग की समस्या हो सकती है। यह मौसम बच्चों के लिए काफी संवेदनशील है। हवा में मौजूद वायरस सक्रिय हो जाते हैं। कुछ माता-पिता बच्चों को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना देते हैं, जिससे उन्हें स्किन संबंधी दिक्कत हो सकती है। बच्चों की सफाई पर ठीक से ध्यान दें।
प्रेग्नेंट महिलाएं व बच्चे सुबह-शाम ठंड के समय खुद को कवर करके घर से निकलें। बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं, जिससे वे इंफेक्शन से बच सकें। उनमें इम्युनिटी पावर कम होती है और वे इन्फेक्शन की चपेट में जल्दी आते हैं।

इस मौसम में डायबीटीज से पीड़ित व्यक्तियों को खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है। शुगर से परहेज करें और दवाओं का नियमित रूप से सेवन करें, नहीं तो उन्हें अटैक पड़ सकता है। यह अटैक ब्रेन का भी हो सकता है और हार्ट का भी। इसलिए खानपान का खयाल रखें, पूरा परहेज करें और नियमित व्यायाम करें। अगर आप ड्रिंक करते हैं, तो इस मौसम में उसका इस्तेमाल बिल्कुल छोड़ दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

24 जिलों की भर्ती सुधार यात्रा पर निकले देवेन्द्र नाथ महतो का राजमहल में रोड शो, सैकड़ों कार्यकर्ता रहे मौजूद

संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा जेएलकेएमके केंद्रीय नेता देवेन्द्र नाथ महतो की 24 जिलों की भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा शनिवार को साहिबगंज जिले के राजमहल पहुंची।यह यात्रा के छठे दिन का पड़ाव था।राजमहल पहुंचने पर कार्यकताओं ने फूल-माला पहनाकर और नारेबाजी कर उनका जोरदार स्वागत किया।स्वागत के बाद देवेन्द्र महतो का रोड शो राजमहल के नयाबाजार से शुरू हुआ।यह रोड शो राजमहल थाना,राजमहल कोर्ट, गाँधी चौक,मुख्य बाजार,होते हुए राजमहल स्टेशन चौक तक गया।इस दौरान सैकड़ों बाइक और चार पहिया वाहनों का काफिला उनके साथ चल रहा था। सड़क के दोनों किनारे खड़े लोगों ने उनका अभिवादन किया। रोड शो के दौरान कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया।रोड शो के बाद रेलवे स्टेशन चौक मे आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि यह सिर्फ यात्रा नहीं है,बल्कि झारखंड के जन-जन से जुड़ने का अभियान है।उन्होंने कहा कि राजमहल पावन धरती है।जो पवित्र गंगा नदी के तट पर बसी है। यहां के छात्र,युवा,आदिवासी-मूलवासी, मेहनतकश परिवार,दुकानदार और ऑटो-टेंपो चालकों का जो प्यार मिला है,वह इस आंदोलन को और मजबूती देगा।उन्होंने कहा कि इस भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा की शुरूआत रामगढ़ जिले से हुई थी।इसके बाद हजारीबाग,चतरा,कोडरमा,गिरिडीह होते हुए संथाल परगना की धरती जामताड़ा, दुमका,पाकुड़ और अब साहिबगंज पहुंची है।यात्रा का मुख्य उद्देश्य राज्य में नौकरी बेचने की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना है।सभा में देवेन्द्र महतो ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि 26 साल के झारखंड में हर नौकरी को बेचा जा रहा है।कुछ लोग काउंटर खोलकर नौकरियां बेच रहे हैं।उन्होंने कहा कि चौकीदार से लेकर सिपाही, दरोगा और शिक्षक तक की नौकरियों के रेट तय हैं। इस कारण योग्य छात्र पीछे रह जा रहे हैं और पैसे वाले लोग नौकरी खरीद रहे हैं।उन्होंने कहा कि छात्रों के लगातार आंदोलन और सत्याग्रह के कारण सरकार को झुकना पड़ा है। 17 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री को विवादित परीक्षाओं पर कार्रवाई की घोषणा करनी पड़ी और 18 अगस्त को कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी की। इसके तहत कुल 45 परीक्षाओं पर कार्रवाई हुई है,जिसमें 22 परीक्षाओं को रद्द किया गया है, 17 पर जांच बैठी है और 6 परीक्षाएं स्थगित की गई हैं।यह छात्रों की एकता की जीत है।हाल ही में धनबाद से नौकरी खरीदने वाले चार अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी और जेपीएससी अध्यक्ष का इस्तीफा भी इसी आंदोलन का परिणाम है। राजमहल ऐतिहासिक धरती है और यहां आंदोलन की ताकत है। साहिबगंज जिला खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है,फिर भी स्थानीय लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है।बाहर के लोग संसाधनों को लूट रहे हैं और स्थानीय युवा बेरोजगार घूम रहे हैं।इस व्यवस्था को बदलने के लिए युवाओं को एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी झारखंडी भाषा-संस्कृति,खतियान आधारित स्थानीय नीति और रोजगार के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगी।उन्होंने लोकतंत्र के चारों स्तंभों मीडिया कार्यपालिका विधायिका और न्यायपालिका से छात्रों के साथ न्याय करने की अपील की।उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिफारिश से नहीं बल्कि मेहनत और योग्यता से नौकरी पाने की लड़ाई है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष समेत कई प्रखंड स्तरीय नेता,पंचायत प्रतिनिधि और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

12- 14 सितंबर तक साहिबगंज में झारखंड राज्य जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता होगा आयोजन

साहिबगंज:12,13 एवं 14 सितंबर 2026 को रेलवे ग्राउंड,सकरीगली साहिबगंज में 20 वीं झारखंड राज्य जूनियर बालक एवं बालिका।जिसकी जानकारी आयोजन समिति के गोपाल यादव,उत्तम कुमार,साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रंजीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया।आयोजन समिति ने बताया कि यह साहिबगंज जिले में पहली बार राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से बालक एवं बालिका वर्ग की टीमें भाग लेंगी।प्रतियोगिता का आयोजन में निर्धारित आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे,जिनकी जन्म तिथि 04 नवंबर 2006 के बाद की होनी चाहिए।प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य साहिबगंज एवं पूरे झारखंड के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। खेल भावना,अनुशासन और एकता—यही हमारी पहचान के संदेश के साथ प्रतियोगिता को सफल बनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों,प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों, खेलप्रेमियों एवं दर्शकों से प्रतियोगिता में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

सिविल सर्जन ने एमटीसी सेंटर व सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंजःसिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा आज सदर प्रखंड अंतर्गत सीएचसी सदर परिसर स्थित एमटीसी सेंटर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने केंद्र में भर्ती बच्चों एवं उनकी माताओं को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सदर डॉ.महमूद आलम भी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने एमटीसी में भर्ती बच्चों और उनके साथ रह रही माताओं के प्रति आत्मीयता संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने साथ मिठाई लेकर पहुंचे और बच्चों एवं उनकी माताओं के बीच मिठाई का वितरण किया।बच्चों के उपचार के साथ-साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य,मनोरंजन एवं सकारात्मक माहौल को भी ध्यान में रखते हुए सिविल सर्जन द्वारा अपने स्तर से बच्चों के खेलने एवं मनोरंजन के लिए तीन खिलौना गाड़ियां खरीदकर एटीसी सेंटर को उपलब्ध कराई गईं। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने की इस पहल को उपस्थित लोगों ने सराहा। सिविल सर्जन ने कहा कि कुपोषण से जूझ रहे बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ स्नेह, देखभाल एवं सकारात्मक वातावरण मिलना भी आवश्यक है।स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है,बल्कि बच्चों एवं उनके परिवारों को मानवीय संवेदना के साथ बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना भी है।

मारपीट मामले में विक्की रविदास गिरफ्तार

साहिबगंजःजिरवाबाडी थाना क्षेत्र के चानन निवासी विक्की रविदास को जिरवाबाडी पुलिस ने मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि कबूतर खौपी का रहने वाला कृष्णा पासवान ने विक्की रविदास के ऊपर मारपीट करने व गाली गलौज करने का आरोप लगाते हुए आवेदन देकर प्राथमिक दर्ज करवाया था। बताएं कि दोनों के बीच पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद था।पुलिस ने मामले का अनुसंधान करते हुए विक्की रविदास को छापेमारी कर गिरफ्तार किया है पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है

आदिवासी समाज के नाम पर लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है : अधिवक्ता संत

संवाददाता

साहिबगंज:राजधानी रांची के मोराबादी मैदान में आयोजित आदिवासी महाजुटान को लेकर राजनीतिक एवं सामाजिक बयानबाजी तेज हो गई है।इस आयोजन पर हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता संत कुमार घोष ने कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि आदिवासी समाज के नाम पर लोगों को विभिन्न मुद्दों को लेकर गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है।श्री घोष ने कहा कि महाजुटान के नाम पर डीलिस्टिंग, धर्मांतरण,विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम तथा परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर आदिवासी समाज में भ्रम और भय का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक विषय पर चर्चा होना आवश्यक है,लेकिन समाज को अधूरी अथवा भ्रामक जानकारी देकर राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत करना उचित नहीं है।उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज को अलग-अलग वर्गों में बांटकर राजनीति करने की प्रवृत्ति लंबे समय से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के वास्तविक मुद्दों शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, भूमि की सुरक्षा,महिलाओं की सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी स्पष्टता जरूरीः संत कुमार घोष ने कहा कि परिसीमन एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक और लोकतांत्रिक विषय है,जिसका सीधा संबंध संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व से जुड़ा है।परिसीमन के संबंध में जनता के बीच किसी भी प्रकार की गलतफहमी फैलाने के बजाय तथ्यों और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर स्पष्ट चर्चा होनी चाहिए।

संथाल परगना के ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान देने की मांगः संथाल परगना क्षेत्र का उल्लेख करते हुए संत कुमार घोष ने कहा कि इस क्षेत्र में आदिवासी समाज भूमि, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं की सुरक्षा जैसे अनेक गंभीर मुद्दों का सामना कर रहा है।उन्होंने मांग की कि इन वास्तविक समस्याओं पर गंभीर चर्चा और ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए।उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को केवल चुनावी राजनीति या आंदोलनों के समय याद करने के बजाय उन्हें शिक्षा,रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए दीर्घकालिक प्रयास किए जाने चाहिए।संत कुमार घोष ने कहा कि प्रकृति-पूजक एवं पारंपरिक आदिवासी समाज की सदियों पुरानी भाषा,संस्कृति,परंपरा और धार्मिक पहचान का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।किसी भी समाज की प्रगति उसकी सांस्कृतिक जड़ों और आधुनिक विकास–दोनों के संतुलन से होती है। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म रक्षा मंच आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक सम्मान, सांस्कृतिक संरक्षण और विकास के लिए सदैव आवाज उठाता रहेगा।वही श्री घोष ने कहा कि आदिवासी समाज को किसी राजनीतिक या वैचारिक स्वार्थ के लिए गुमराह नहीं किया जाना चाहिए।डीलिस्टिंग, धर्मांतरण और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भावनात्मक राजनीति के बजाय तथ्य,संविधान और समाजहित के आधार पर खुली चर्चा होनी चाहिए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता व स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर नगर परिषद की सक्रिय पहल

नगर परिषद कर्मियों ने प्रभावित मोहल्लों में किया ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव

संवाददाता

साहिबगंज:गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए नगर परिषद साहिबगंज द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं संक्रमण की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में नगर परिषद के सफाई कर्मियों द्वारा नया टोला ओझा टोला शकुंतला सहाय घाट, हबीबपुर पाइप रोड बाईसीस्थान सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का व्यापक रूप से छिड़काव किया गया। इसका उद्देश्य जलजमाव एवं बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली गंदगी संभावित संक्रमण के जोखिम को कम करना है।कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिदिन नगर परिषद के सफाई कर्मियों द्वारा नियमित साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है तथा आवश्यकता के अनुसार ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी कराया जा रहा है।नगर परिषद प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, जलजमाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचें तथा किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तत्काल नगर परिषद प्रशासन को दें।

मां गंगा सेवा समिति के तत्वावधान में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुई गंगा आरती

साहिबगंजःश्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि एवं रक्षा बंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार की संध्या साहेबगंज के स्थानीय मुक्तेश्वर धाम स्थित सीढ़ी घाट,गंगा तट पर मां गंगा सेवा समिति,की ओर से प्रत्येक माह आयोजित होने वाली पूर्णिमा गंगा आरती का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत पंडित धनेश तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा के विधिवत पूजन से हुई।इसके पश्चात पूरे विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण में मां गंगा की भव्य आरती की गई।आरती के दौरान गंगा तट पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ हर-हर गंगे जय मां गंगे और हर-हर महादेव के जयकारे लगाए।जयघोष से पूरा गंगा तट भक्तिमय हो उठा।आरती के दौरान गंगा तट का वातावरण दीपों की रोशनी और भक्तिभाव से अद्भुत नजर आया।बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां गंगा के दर्शन एवं आरती में शामिल होकर सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना की।आरती के समापन के बाद उपस्थित भक्तजनों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।समिति की ओर से नियमित रूप से पूर्णिमा तिथि पर आयोजित की जाने वाली यह गंगा आरती श्रद्धालुओं के बीच आस्था और आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।इस अवसर पर मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय, आभाष ओझा,संदीप अवस्थी,अरविंद सिंह,सिद्धार्थ कुमार,रोहित कुमार,मन्नू शर्मा,सन्नी यादव,कन्हैया रजक,राज कुमार राम,आकाश कुमार,रविंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

साहिबगंज महाविद्यालय में नये विद्यार्थियों का परिचय व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज: साहिबगंज महाविद्यालय में यूजी सेमेस्टर-वन,सत्र 202 -30 के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं परिचय कार्यक्रम के साथ-साथ महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।महाविद्यालय के नंदन भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय,दुमका के कुलानुशासक डॉ. राजीव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया गया। महाविद्यालय के संगीत शिक्षक प्रो कुमार प्रशांत भारती के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय कुलगीत का सामूहिक गायन किया गया।इसके उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को पौधा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.प्रिया सिंह ने मुख्य अतिथि के सम्मान में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.सेमी विक्टर मरांडी एवं लाइफ साइंस विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. वसीम रजा ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों एवं पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की।मुख्य अतिथि डॉ.राजीव कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से अपनी रुचि एवं क्षमता को पहचानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विज्ञान कला खेल भाषा तकनीक अथवा व्यावसायिक शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अपनी रुचि के अनुरूप अवसरों का करना चाहिए।उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों को विषयों के चयन में अधिक लचीलापन प्रदान करती है,जिसका लाभ उठाकर वे अपने भविष्य को बेहतर दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ.रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करना ही अंतिम उद्देश्य नहीं है और असफलता जीवन का अंत नहीं होती।उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि गिरकर पुनःउठ खड़ा होना ही सच्चा पुरुषार्थ है। इस अवसर पर महाविद्यालय में विगत दिनों आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का मंच संचालन अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.रूपा ने किया,जबकि धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.अनु सुमन बाड़ा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक डॉ.सोनू फ्रांसिस मुर्मू,डॉ.अक्षय कुमार वर्मा,प्रो प्रदीप कुमार कुजूर एवं प्रो चंद्रशेखर प्रमाणिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मैथिली विभागाध्यक्ष डॉ.ध्रुव ज्योति कुमार सिंह,लाइफ साइंस विभागाध्यक्ष डॉ मीरा चौधरी,रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो मरियन हेंब्रम सहायक प्राध्यापक डॉ.संतोष कुमार चौधरी सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।अंत में राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एसडीओ ने किया खाद्य सामग्री का वितरण

संवाददाता

साहिबगंजःगंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द द्वारा गंगा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने कारगिल दियारा क्षेत्र का स्थल निरीक्षण करते हुए स्थानीय ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त की संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।भ्रमण के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के परिवारों के बीच आवश्यक खाद्य एवं पेय सामग्री का वितरण किया गया। प्रभावित परिवारों को चूड़ा, गुड़, बिस्किट एवं पेयजल उपलब्ध कराया गया। ताकि बाढ़ की स्थिति में उन्हें तत्काल आवश्यक सहायता मिल सके।अनुमंडल पदाधिकारी ने क्षेत्र में जलस्तर, आवागमन व आमजनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा बाढ़ की संभावित स्थिति को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यकतानुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण कर स्थिति का आकलन करें और किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही आमजनों की सुरक्षा व आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता देने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी आवश्यक राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

'द ट्रेटर्स इंडिया-2' फिनाले की ओर, रिया चक्रवर्ती का सफर खत्म

करण जौहर का रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन-2' अब अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है और हर नए एपिसोड के साथ मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। अमेजन प्राइम वीडियो पर जारी अगले तीन एपिसोड में कई चौंकाने वाले निष्कासन देखने को मिले। इनमें सबसे हैरान करने वाला नाम अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती का रहा। रिया शुरूआत से ही 'इनोसेंट' बनकर खेल रही थीं, लेकिन साथी प्रतियोगियों के शक के घेरे में आने के बाद उन्हें शो से बाहर होना पड़ा।

'सर्कल ऑफ शक' में रिया खुद को निर्दोष साबित करने में नाकाम रहीं और उनका सफर समाप्त हो गया। शो से विदाई के दौरान वह भावुक नजर आईं। उन्होंने 'डेजा वू' शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा, ₹ये सब पहले भी हो चुका है... मैं अपने जीवन के दूसरे अध्याय में हूं। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? मैं निर्दोष हूं। हमेशा से रही हूं। हमेशा रहूंगी।₹ इसके बाद रिया ने सभी प्रतियोगियों से माफी मांगी और उम्मीद जताई कि शो के बाहर भी वे सभी उनके अच्छे दोस्त बने रहेंगे।

रिया के 'डेजा वू' वाले बयान ने उनके पुराने विवाद की यादें भी ताजा कर दीं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सामने आए ड्रग्स मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने रिया को गिरफ्तार किया था। बाद में मामले में उन्हें क्लीन चिट मिलने की बात सामने आई थी। शो में रिया के बाद अभिनेत्री श्वेता तिवारी और कंटेंट क्रिएटर अंश भी बाहर हुए। रैपर इक्का को टास्क पूरा न करने के कारण निष्कासित किया गया, जबकि प्रतियोगियों ने मिलकर ट्रेटर शहनील गिल को पकड़ लिया और उनका खेल भी खत्म कर दिया।

जावेद अख्तर संग अपने रिश्ते पर शबाना आजमी ने की खुलकर बात

दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर के साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी और रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। एक हालिया इंटरव्यू में शबाना ने बताया कि वह हमेशा से जावेद की बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व से प्रभावित रही हैं। उन्होंने कहा कि भले ही दोनों के बीच हर समय सब कुछ खुशनुमा नहीं रहता और कई बार बड़े झगड़े भी होते हैं, लेकिन उनकी दोस्ती बेहद मजबूत है। शबाना के मुताबिक, दोनों का बैकग्राउंड और दुनिया को देखने का नजरिया काफी हद तक एक जैसा है। अपने इंटरव्यू में शबाना ने कहा कि उनके और जावेद के माता-पिता प्रगतिशील लेखक थे और कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हुए थे। दोनों परिवारों में उर्दू शायरी के प्रति भी गहरा लगाव था। उन्होंने कहा कि कई लोगों को लगता था कि उनकी और जावेद की शादी अरेंज्ड होनी चाहिए थी। हालांकि, अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते में मतभेद और बहस भी होती हैं। शबाना ने जावेद की सबसे बड़ी खूबी बताते हुए कहा कि

वह किसी भी माहौल और लोगों के बीच आसानी से घुल-मिल जाते हैं। लोगों से संवाद स्थापित करने की उनकी क्षमता, निष्पक्षता और विचारों के प्रति संतुलित रवैया शबाना को बेहद पसंद है। शबाना आजमी और जावेद अख्तर ने 1984 में शादी की थी और उनके वैवाहिक जीवन को चार दशक से अधिक समय हो चुका है। इतने वर्षों में उनका रिश्ता प्यार के साथ-साथ गहरी दोस्ती में भी बदल गया है। शबाना पहले भी कह चुकी हैं कि वह खुद को कभी बहुत 'रोमांटिक' नहीं मानती थीं, लेकिन समय के साथ जावेद के साथ उनका रिश्ता और मजबूत हुआ। गौरतलब है कि जावेद अख्तर की पहली शादी पटकथा लेखिका हनी ईरानी से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे फरहान अख्तर और जोया अख्तर हैं।

'ओरिजिनल मॉन्स्टर' का दमदार पोस्टर जारी, खूंखार अंदाज में दिखे डॉ. शिवराजकुमार

पैन इंडिया सुपरस्टार और सैंडलवुड के किंग डॉ. शिवराजकुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' (ओएम) की पहली झलक सामने आ गई है। फिल्ममेकर आर. चंद्रू ने फिल्म का दमदार पोस्टर और मोशन पोस्टर जारी किया, जिसमें शिवराजकुमार बेहद रौद्र, रफ और पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रहे हैं। खून, तबाही और अफरा-तफरी के बीच उनका इंटेंस लुक फिल्म की डार्क और रॉ एक्शन दुनिया की झलक पेश करता है। पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

निर्देशक आर. चंद्रू ने कहा कि 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' को खास रॉनेस, स्केल और इंटेंसिटी के साथ तैयार किया जा रहा है। उनके मुताबिक, इस किरदार के लिए ऐसी शख्सियत की जरूरत थी, जिसकी स्क्रीन प्रेजेंस जबरदस्त हो और जो किरदार की अलग-अलग परतों को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतार सके। चंद्रू ने डॉ. शिवराजकुमार को इस भूमिका के लिए परफेक्ट चॉइस बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक और एक्शन फिल्म नहीं, बल्कि एक पूरी सिनेमाई दुनिया है। वहीं शिवराजकुमार ने बताया कि कहानी सुनते ही उन्हें किरदार की ऊर्जा और खासियत महसूस हो गई थी। उन्होंने कहा कि यह भूमिका उनके अब तक के काम से काफी अलग और उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव रही है। मशहूर निमार्ता और प्रेजेंटर आनंद पंडित ने भी फिल्म को लेकर उत्साह जताया। उन्होंने कहा कि 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' को बड़े विजन और महत्वाकांक्षा के साथ बनाया जा रहा है। डॉ. शिवराजकुमार को इस नए और खूंखार अवतार में देखना रोमांचक होगा, जबकि आर. चंद्रू के पास फिल्म के लिए मजबूत विजन है। 'ओरिजिनल मॉन्स्टर' आरसी स्टूडियोज की प्रस्तुति है, जिसका निर्देशन आर. चंद्रू ने किया है। फिल्म का निर्माण यमुना चंद्रू ने किया है और आनंद पंडित इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। पोस्टर और मोशन पोस्टर के साथ फिल्म ने अपना काउंटडाउन शुरू कर दिया है।

'राणाबाली' दशहरा के मौके पर 16 अक्टूबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'राणाबाली' की रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। राहुल सांकृत्यान के निर्देशन में बनी यह तेलुगु पैन-इंडिया फिल्म 16 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी फिल्म में विजय राणाबाली नाम के योद्धा की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि रश्मिका उनकी पत्नी जायम्मा का किरदार निभा रही हैं। निर्माताओं ने विजय का दमदार पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की घोषणा की। पोस्टर के साथ लिखा गया, ₹हमारे इतिहास का सबसे काला अध्याय इस अक्टूबर में शुरू हो रहा है।₹ 'राणाबाली' की कहानी 1870 के दशक की पृष्ठभूमि में बुनी गई है। फिल्म में उस दौर में दक्षिण भारत में पड़े भीषण अकाल और उसके बीच ब्रिटिश राज के खिलाफ आवाज उठाने वाले एक विद्रोही योद्धा की कहानी को बड़े स्तर पर पेश किया जाएगा। 'डियर कॉमरेड' (2019) के बाद विजय और रश्मिका की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देगी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सीधी टक्कर यामी गौतम की 'नई नवेली' से होगी, जो 16 अक्टूबर को ही रिलीज होने जा रही है। ऐसे में दशहरा के मौके पर दोनों फिल्मों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। 'राणाबाली' को लेकर खासतौर पर विजय और रश्मिका के प्रशंसकों में काफी उत्सुकता है।

रक्षाबंधन पर भी नहीं चला 'टॉक्सिक' का जादू, बॉक्स ऑफिस पर कमाई में गिरावट जारी

कन्नड़ सुपरस्टार यश की एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'टॉक्सिक' का बॉक्स ऑफिस सफर रिलीज के तीसरे दिन थोड़ा धीमा पड़ गया है। फिल्म ने रिलीज के साथ ही सिनेमाघरों में शानदार शुरूआत की और पहले दिन 101.10 करोड़ रुपये का बंपर कलेक्शन किया। हालांकि, दूसरे दिन कमाई घटकर 37.65 करोड़ रुपये रह गई। सैकनिल्क के मुताबिक, रक्षाबंधन की छुट्टी के बावजूद तीसरे दिन फिल्म ने करीब 26.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह शुरूआती तीन दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन करीब 165.35 करोड़ रुपये पहुंच गया है। शुरूआत से ही 'टॉक्सिक' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था, लेकिन फिल्म को समीक्षकों से

मिली-जुली से लेकर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। इसके बावजूद फिल्म ने हिंदी बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। शुरूआती तीन दिनों की कमाई के आधार पर 'टॉक्सिक' इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। फिल्म ने इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' और शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। अब इसकी नजर 'कॉकटेल 2' के रिकॉर्ड पर है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिक' की कहानी गैंगस्टर राया (यश) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका पालन-पोषण उसकी बहन गंगा (नयनतारा) करती है।

यूपी टी20 लीग: कानपुर ने नोएडा को आठ विकेट से हराया, समीर रिजवी ने खेली तूफानी पारी

एजेंसी

कानपुर : कानपुर सुपरस्टार्स ने समीर रिजवी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर यूपी टी20 लीग 2026 के 25वें मुकाबले में नोएडा किंग्स को आठ विकेट से हरा दिया। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में रिजवी ने महज 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन की विस्फोटक पारी खेलकर कानपुर को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ कानपुर की प्लेऑफ की उम्मीदें भी मजबूत बनी हुई हैं, जबकि नोएडा किंग्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए रिजवी ने अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनके साथ अभिषेक पांडे ने भी नाबाद 30 रन की पारी खेली। दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत कानपुर ने 129 रन के लक्ष्य को महज 10.4 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारी बारिश के कारण मुकाबला देर से शुरू हुआ, जिसके बाद ग्रीन पार्क के ग्राउंड स्टाफ ने शानदार काम करते हुए मैच को 12-12 ओवर का कर दिया। नोएडा किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरूआती ओवरों में तेज शुरूआत की। शोएब सिद्दीकी ने 10 गेंदों पर 20 और माधव कौशिक ने महज 11 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम को 2.2 ओवर में 45/0 तक पहुंचा दिया।

हालांकि, इसके बाद कानपुर के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। यशोवर्धन सिंह ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में महज 10 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और एक मेडन ओवर भी डाला। उनकी शानदार गेंदबाजी के कारण नोएडा किंग्स का स्कोर जल्द ही 69/5 हो गया। इसके बाद कप्तान प्रशांत वीर ने मोर्चा संभाला और 27 गेंदों पर नाबाद 50 रन की शानदार पारी खेलकर नोएडा किंग्स को 12 ओवर में 128/6 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

129 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की शुरूआत अच्छी नहीं रही और दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी पवेलियन

लौट गए। इसके बाद इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे समीर रिजवी ने मोर्चा संभाला और आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नोएडा के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। रिजवी ने अभिषेक पांडे के साथ मिलकर टीम को 8 दिन शेष रहते जीत दिला दी। रिजवी ने 39 गेंदों पर नाबाद 91 रन और अभिषेक पांडे ने 17 गेंदों पर नाबाद 30 रन की पारी खेली। मैच के बाद रिजवी ने बताया कि टूनामेंट की शुरूआत में लगी उंगली की चोट के कारण वह शुरूआती एकादश में शामिल नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्ररक्षण के दौरान उंगली पर गेंद लगने से दर्द बढ़ जाता था और इसका असर बल्लेबाजी पर भी पड़ रहा था। ऐसे में टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया गया। रिजवी ने कहा, ह्लपहले मैच में कैच लेते समय मेरी उंगली में चोट लग गई थी। इसके बाद क्षेत्ररक्षण के दौरान काफी परेशानी हो रही थी। मैंने प्रबंधन से कहा कि मैं इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलना चाहता हूं, क्योंकि क्षेत्ररक्षण के दौरान उंगली पर गेंद लगने से दर्द बढ़ जाता था और बल्लेबाजी में भी परेशानी होती थी। रिजवी ने पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की रणनीति अपनाई। उन्होंने कहा कि 12 ओवर के छोटे मुकाबले में पावरप्ले का अधिकतम फायदा उठाना बेहद जरूरी था। उनके मुताबिक, अगर शुरूआती ओवरों में तेजी से रन बना लिए जाएं तो बाद में लक्ष्य को नियंत्रित करना आसान हो जाता है। रिजवी ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा कि वह स्कोरबोर्ड के दबाव के बारे में नहीं सोच रहे थे। उनका लक्ष्य सिर्फ उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना था, जिस तरह वह सामान्य तौर पर खेलते हैं।

उन्होंने कहा, मैं सिर्फ यही सोच रहा था कि अपना खेल खेलूंगा और उसी तरह अंत तक बल्लेबाजी करूंगा। मुझे पांच रन चाहिए हों या 50, मैंने पहले ही अपना माइंडसेट तय कर लिया था। मैं यह नहीं सोच रहा था कि दूसरे छोर पर कौन बल्लेबाजी कर रहा है या कोई मेरा साथ दे रहा है या नहीं। मुझे खुद पर भरोसा था कि मुझे ही रन बनाने हैं। रिजवी ने टीम के कार्यवाहक कप्तान आदर्श सिंह की कप्तानी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नोएडा की तेज शुरूआत के बावजूद आदर्श ने गेंदबाजी में अच्छे बदलाव किए और टीम को मुकाबले में वापस लाए। उनके मुताबिक, विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान था, लेकिन कप्तान ने परिस्थितियों को अच्छी तरह संभाला और नोएडा को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

नेपाल में जलप्रलय का दंश- अब तक 724 शव मिले, मात्र 22 की पहचान

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई बाढ़ में 724 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें से केवल 22 की पहचान हो सकी है। नेपाल पुलिस के अनुसार, शवों की पहचान में आ रही मुश्किलों के कारण शवों के प्रबंधन की स्थिति जटिल हो गई है। अस्पतालों में शव रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण सरकार ने उन्हें ह्यएयरटाइट बैगह्ल में रखकर जमीन के नीचे दफनाना शुरू कर दिया है। देवघाट के पास जंगल क्षेत्र में जगह की व्यवस्था कर यह प्रक्रिया शुरू की गई है। शवों की पहचान के लिए पुलिस ने एक पोर्टल तैयार किया है। इसमें शवों की तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हैं। पुलिस प्रवक्ता अविनारायण काफ्ले ने बताया कि पहचान किए गए 22 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। प्रवक्ता काफ्ले के अनुसार, बहुत कम शवों की पहचान हो पाने के कारण अब डीएनए परीक्षण के जरिए पहचान सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सभी शवों के डीएनए नमूने लेकर उन्हें दफनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ह्यपहचान न हो सके और लावारिस शव प्रबंधन के प्रावधानों के अनुसार जिला सुरक्षा समिति के निर्णय के आधार पर शवों को एयरटाइट बैग में रखकर जमीन के नीचे दफनाया जा रहा है। प्रवक्ता काफ्ले ने कहा कि इस तरह दफनाने से शव सुरक्षित रहेंगे और भविष्य में पहचान होने पर उन्हें निकालकर परिजनों को सौंपा जा सकेगा।उन्होंने कहा, ह्लअगर फोटो या अन्य माध्यम से शव की पहचान होने की जानकारी मिलती है और नागरिक हेल्प डेस्क से संपर्क करते हैं। उन्होंने बताया कि जिन शवों की पहचान नहीं हो सकी है, उनमें से प्रत्येक को अलग-अलग संकेत या कोड नंबर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, निर्धारित स्थान पर शवों को सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से जमीन के नीचे दफनाते समय प्रत्येक शव का संकेत या कोड नंबर जमीन के नीचे और ऊपर भी दर्ज किया जा रहा है। साथ ही, शव दफनाए गए स्थान की जीपीएस लोकेशन, तस्वीरें, नक्शा और अन्य विस्तृत विवरण भी रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। संबंधित व्यक्ति के परिजन के डीएनए नमूने से मिलान होने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को जमीन से निकालकर परिवार को सौंपने की व्यवस्था की गई है। प्रवक्ता काफ्ले ने कहा, ह्लकुछ लोगों को शव दफनाए जाने की बात सुनकर गलत लग सकती है। लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार की गई एक सुरक्षित विधि है। भविष्य में डीएनए मैच होने पर परिजन शव प्राप्त कर सकें, इसके लिए सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखे गए हैं।ह्व

नवलपरासी पूर्व में भी शवों के प्रबंधन की तैयारी

इसी तरह, नवलपरासी पूर्व में भी जिन शवों की पहचान नहीं हो सकी है, उन्हें जंगल क्षेत्र में दफनाने की तैयारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक युवराज खड्का के अनुसार, डीएनए परीक्षण के लिए नमूने एकत्र करने का काम शुरू कर दिया गया है। यहां शवों के प्रबंधन के लिए दो स्थानों की पहचान की गई है। फिलहाल नवलपरासी में मिले शवों को नवलपरासी पूर्व और नवलपरासी पश्चिम के अलावा पोखरा, रुपन्देही और कपिलवस्तु जिलों के अस्पतालों में रखा गया है। दोनों जिलों के पुलिस प्रमुखों के अनुसार, शनिवार शाम तक कुल 223 शव बरामद किए जा चुके थे। नवलपरासी पश्चिम के पुलिस प्रमुख, पुलिस अधीक्षक रामबहादुर केसी के अनुसार, जिले के क्षेत्र में 54 पूरे शव मिले हैं। इसके अलावा शरीर के 25 अंग भी बरामद किए गए हैं। वहीं, नवलपरासी पूर्व में शनिवार शाम तक 169 शव बरामद किए गए। इनमें से चार शवों की पहचान हो चुकी है। पुलिस अधीक्षक युवराज खड्का के अनुसार, इनमें से तीन शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं, जबकि एक शव सौंपने की प्रक्रिया में है। उनके अनुसार, 41 शव पोखरा भेजे गए हैं, जबकि बाकी शव जिले के दो अस्पतालों में रखे गए हैं।

इस बीच, विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से शवों को सुरक्षित रखने के लिए मोबाइल

प्रयागराज में तेजी से बढ़ा गंगा-यमुना का जलस्तर, 24 घंटे में करीब एक मीटर की बढ़ोतरी

नैनी में यमुना 81.53 मीटर, फाफामऊ में गंगा 81.56 मीटर पहुंची

एजेंसी

प्रयागराज : विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। रविवार सुबह आठ बजे जिला प्रशासन की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में दोनों नदियों के जलस्तर में करीब एक मीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, अभी दोनों नदियां खतरे के निशान से नीचे हैं और प्रशासन के मुताबिक जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। जिला प्रशासन की सूचना के मुताबिक नैनी में यमुना का जलस्तर सुबह आठ बजे 81.53 मीटर दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में इसमें 85 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। यहां बारिश नहीं हुई। वहीं, फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.56 मीटर पहुंच गया। इसमें 24 घंटे में 87 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यहां भी बारिश नहीं हुई है। छतनाग में गंगा का जलस्तर 81.05 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 89 सेंटीमीटर बढ़ा है। इसी तरह बक्सी बांध स्थित एसटीपी पर जलस्तर 81.74 मीटर दर्ज किया गया। यहां भी 24 घंटे में 88 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। जिला प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रयागराज में नदियों का खतरे का निशान 84.734 मीटर है। फिलहाल सभी प्रमुख स्थानों पर जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। इसके बावजूद बीते 24 घंटे में जलस्तर में तेजी से हुई वृद्धि को देखते हुए प्रशासन की निगाह गंगा और यमुना के जलस्तर पर बनी हुई है।

हिमाचल सरकार 700 करोड़ रुपये का और कर्ज लेगी, अधिसूचना जारी

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश सरकार अपनी वित्तीय जरूरतों और तय देनदारियों को पूरा करने के लिए 700 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने जा रही है। वित्त विभाग ने शनिवार देर शाम ऋण उठाने के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी। सरकार यह ऋण 7.56 प्रतिशत सालाना ब्याज की दर पर लेगी।

इस ऋण के लिए केंद्र सरकार की सहमति मिल चुकी है। संविधान के अनुच्छेद 293(3) के तहत राज्य सरकार को कर्ज लेने के लिए केंद्र की अनुमति जरूरी होती है। इसी प्रक्रिया के तहत हिमाचल सरकार को 700 करोड़ रुपये का ऋण उठाने की मंजूरी मिली है। राज्य सरकार लंबे समय से अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर चिंता जताती रही है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कई मौकों पर कहा है कि हिमाचल गंभीर वित्तीय दबाव का सामना कर रहा है। चालू वित्त वर्ष से केंद्र सरकार की ओर से राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद किए जाने से राज्य की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ा है। राज्य सरकार के अनुसार इससे हिमाचल को हर साल आठ हजार करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि केंद्र से अगर आरडीजी बंद नहीं होता, तो हिमाचल वर्ष 2027 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर बन जाता। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में राजस्व जुटाने के साधन सीमित हैं। दूसरी ओर सरकार पर वेतन, पेंशन, कर्ज की किस्त और कर्ज पर ब्याज चुकाने जैसी तय देनदारियां हैं। इन खर्चों के साथ विकास कार्यों के लिए धन की व्यवस्था करना भी सरकार के सामने चुनौती है।

पुरानी पेंशन योजना बहाल किए जाने के बाद केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश की कर्ज लेने की सीमा भी तय की है। इससे राज्य के लिए अतिरिक्त कर्ज जुटाने की क्षमता सीमित हुई है। राज्य का कुल कर्ज एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है। केंद्र से सीमित वित्तीय सहायता और राज्य की अपनी आय के सीमित साधनों के बीच सरकार को अपनी नियमित वित्तीय जिम्मेदारियां पूरी करनी पड़ रही हैं। वेतन और पेंशन के भुगतान के साथ कर्ज और उसके ब्याज की अदायगी भी सरकार के नियमित खर्चों में शामिल है। इसी वित्तीय दबाव के बीच राज्य सरकार ने 700 करोड़ रुपये का नया ऋण उठाने का फैसला किया है।

कमैक स्ट्रीट विवाद: डेरेक ओह्णब्रायन के घर पहुंची पुलिस, पूछताछ के लिए नोटिस

एजेंसी

कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओह्णब्रायन के घर रविवार सुबह शेक्सपियर सरणी थाने की पुलिस पहुंची। कमैक स्ट्रीट स्थित तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यालय से अवैध बिलबोर्ड हटाने के दौरान हुए विवाद में डेरेक का नाम भी सामने आया है। मामले में दर्ज प्राथमिकी में उन्हें आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने पूछताछ के लिए उनके घर पहुंचकर नोटिस दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस शनिवार को भी डेरेक के घर नोटिस देने पहुंची थी, लेकिन उस समय वह घर पर मौजूद नहीं थे। सुरक्षा कर्मियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी थी, जिसके कारण नोटिस नहीं दिया जा सका। इसके बाद रविवार सुबह पुलिस प्रिंस अनवर शाह रोड स्थित उनके आवास पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने घर के नीचे तैनात सुरक्षा गार्ड से काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद एक सुरक्षा गार्ड को नोटिस सौंपकर पुलिस वहां से चली गई। सूत्रों के अनुसार, डेरेक को सोमवार को शेक्सपियर सरणी थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। दरअसल, गुरुवार शाम कोलकाता नगर निगम के अधिकारी कमैक स्ट्रीट स्थित अभिषेक बनर्जी के कार्यालय से एक बिलबोर्ड हटाने पहुंचे थे। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के नाम वाला यह बिलबोर्ड अवैध रूप से लगाया गया था। नगर निगम के मुताबिक, बिलबोर्ड खतरनाक तरीके से लटका हुआ था और इसी वजह से उसे हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान अभिषेक बनर्जी और उनके समर्थकों पर नगर निगम के कर्मचारियों को काम करने से रोकने का आरोप लगा। पुलिस की मदद से कार्यालय में प्रवेश करने के दौरान जमकर हंगामा हुआ। पुलिसकर्मियों और नगर निगम के अधिकारियों के साथ मारपीट के भी आरोप लगाए गए हैं। कमैक स्ट्रीट की घटना को लेकर शेक्सपियर सरणी थाने में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें एक शिकायत नगर निगम के अधिकारी ने की है, जबकि दूसरी शिकायत पार्क स्ट्रीट थाने के एक सहायक पुलिस निरीक्षक की ओर से दर्ज कराई गई है। सरकारी अधिकारियों को काम करने से रोकने और मारपीट के आरोपों के अलावा महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ की कोशिश के आरोप में भी मामला दर्ज किया गया है। मामले में अभिषेक बनर्जी के अलावा डेरेक ओह्णब्रायन, वैश्वानर चट्टोपाध्याय और हुमायूं कबीर समेत कई लोगों के नाम आरोपित के तौर पर शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वैश्वानर और हुमायूं समेत अन्य आरोपितों को भी पूछताछ के लिए नोटिस दिया जा सकता है। पुलिस ने जांच के दौरान अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसी क्रम में अब अभिषेक बनर्जी और डेरेक ओह्णब्रायन से भी पूछताछ की तैयारी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में प्रयागराज समेत 32 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट

एजेंसी

प्रयागराज, 30 अगस्त (हि.स.)। आगामी चौबीस घंटे के मध्य प्रयागराज सहित उत्तर प्रदेश के 32 जिलों में बारिश की संभावना है। प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां एक बार फिर सक्रिय होने लगी हैं। रविवार को ऐसा पूर्वानुमान मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र ने चेतावनी जारी कर किया है। प्रयागराज समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग की ओर से जारी चेतावनी के मुताबिक सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, प्रयागराज, संत रविदास नगर, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, प्रतापगढ़, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, रायबरेली, अमेठी, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर, बहराइच, गोंडा, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती में मौसम खराब होने की संभावना है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार मानसूनी गतिविधियों और वातावरण में पर्याप्त नमी के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक वाले बादल विकसित हो रहे हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर मौसम में अचानक बदलाव हो सकता है और कम समय में तेज बौछारें पड़ सकती हैं। डॉ. पांडेय ने बताया कि गरज-चमक के दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। खुले मैदान, खेत, तालाब और नदी के आसपास जाने से बचें। पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर ढांचों के नीचे खड़े न हों। किसानों को भी मौसम साफ होने तक खेतों में सिंचाई, उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव से बचने की सलाह दी गई है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सेना के बख्तरबंद वाहनों पर हमला, 13 जवान मारे गए, बीएलए ने लिया जिम्मा

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के बलोचिस्तान में हमले के दौरान सेना के 13 जवानों की जान चली गई। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आधिकारिक चैनल हुकल ने एक मिनट 38 सेकंड का एक वीडियो जारी किया है। इसमें पाकिस्तान की सेना की बख्तरबंद गाड़ियों को निशाना बनाया गया है। हमले की जिम्मेदारी बीएलए ने ली है। हुकल मीडिया के हवाले से प्रसारित द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार , बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी के कमांडरों ने मस्तुंग के खड़कोचा इलाके में पाक सेना के काफिले को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोट में एक बख्तरबंद गाड़ी को तबाह कर दिया, जबकि एक दूसरी बख्तरबंद गाड़ी और उसके साथ चल रही गाड़ियों पर भी घात लगाकर हमला किया। बीएलए के मुताबिक, इस हमले में 13 सैनिक मारे गए और 10 से ज्यादा घायल हो गए। बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि इस ऑपरेशन में संगठन के स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन स्क्वॉड (एसटीओएस) ने भी हिस्सा लिया है। एसटीओएस को फतेह स्क्वायड के नाम से भी जाना जाता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बीएलए कमांडर काफिले के आने से पहले एक पुल के नीचे बड़ी मात्रा में विस्फोटक लगा रहे हैं और जैसे ही बख्तरबंद गाड़ियों का काफिला आता है। काफिले की एक गाड़ी एक जोरदार धमाके से तबाह हो जाती है। वीडियो में हमले के बाद ड्रोन से लिए गए फुटेज भी दिखाए गए हैं। बीएलए पाकिस्तान का सशस्त्र संगठन है। बोलान जिले में 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बीएलए ने हाईजैक कर 180 से ज्यादा लोगों को बंधक बनाया गया था। इस घटना को भी बीएलए की फिदायीन यूनिट मजीद ब्रिगेड ने अंजाम दिया था। इसमें मजीद ब्रिगेड की स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशन स्क्वॉड (एसटीओएस/इसे फतेह स्क्वायड भी कहते हैं) ने भी मदद की।

बीएलए की स्थापना 2000 में बलोचिस्तान को पाकिस्तान से स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से की गई। बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे और चीन पोषित परियोजनाओं पर लगातार हमले किए हैं। बीएलए के ऑपरेशंस आमतौर पर मजीद ब्रिगेड, स्क्वायड और आत्मघाती दस्ते करते हैं। यह इकाइयां मुख्य रूप से गुरिल्ला हमलों के लिए जानी जाती हैं। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने अपनी गतिविधियों को पेशेवर तरीके से संगठित किया है।

मजीद ब्रिगेड की स्थापना 2011 में हुई थी। यह बीएलए का विशेष बल (स्पेशल फोर्स) है। मजीद ब्रिगेड आत्मघाती हमलों में माहिर है। इस ब्रिगेड का नाम अब्दुल मजीद बलोच के नाम पर रखा गया, जिन्होंने 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो की हत्या का प्रयास किया था। मजीद ब्रिगेड का नाम पाकिस्तान में कई बड़े हमलों से जुड़ा हुआ है। फतेह स्क्वायड मुख्य रूप से बलोचिस्तान के पहाड़ी इलाकों में पाकिस्तानी सैन्य गश्ती दल के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध संचालित करता है। वर्ष 2024 में ऑपरेशन हेरोफ के तहत फतेह स्क्वायड ने अपने अन्य गुटों के साथ मिलकर बलोचिस्तान में 14 स्थानों पर नाकाबंदी कर 62 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था। स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंसस्क्वायड बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी की एक एलीट फोर्स है। यह संगठन खुफिया जानकारी जुटाने, जासूसी करने और लक्षित हत्याओं को अंजाम देने में विशेषज्ञ है। बशीर जैब बलोच के नेतृत्व में एसटीओएस पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और उनके स्थानीय सहयोगियों का पता लगाने और उनकी हत्या करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

बंद मकान में मिले छह दिन पुराने बुजुर्ग दंपती के शव, हत्या और लूट की आशंका

झांसी : सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के गोविंदपुरी कॉलोनी में शनिवार रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक बंद मकान के अंदर बुजुर्ग पति-पत्नी के करीब छह दिन पुराने शव बरामद हुए। दोनों शव घर में किराए पर दिए गए कमरे में जमीन पर पड़े थे। पति अर्द्धनग्न हालत में था, जबकि पत्नी कपड़े पहने हुए थी। शरीर पर कीड़े पड़ चुके थे। परिजनों ने दोनों की हत्या कर लूटपाट किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। मृतकों की पहचान विश्वनाथ पाल (70) और उनकी पत्नी भुवन देवी (65) के रूप में हुई है। दोनों मूलरूप से टोड़ी फतेहपुर थाना क्षेत्र के पुराबगरौनी गांव के रहने वाले थे। करीब 25 साल पहले वे झांसी के महीसागंज में आकर रहने लगे थे। वर्ष 2019 में गोविंदपुरी कॉलोनी में मकान बनवाकर वहां रहने लगे थे। उनके बेटे जगपाल और दो बेटियां फूला व गीता हैं। जगपाल ने बताया कि वह माता-पिता के मकान से करीब दो किलोमीटर दूर पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। शनिवार शाम करीब 6:30 बजे किराएदार सतेंद्र ने फोन कर बताया कि अंकल-आंटी गेट नहीं खोल रहे हैं और फोन भी नहीं उठा रहे। इसके बाद जगपाल ने माता-पिता को करीब 10 बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। रात में वह मकान पर पहुंचा। गेट अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो वह गेट फांदकर अंदर गया। किराएदार के कमरे में माता-पिता के शव जमीन पर पड़े मिले। घर की अलमारी खुली हुई और सामान बिखरा पड़ा था। जगपाल का आरोप है कि मां ने पोती की शादी के लिए करीब दो लाख रुपये और गहने रखने की बात बताई थी। ये सामान भी गायब है। उसका कहना है कि मुख्य गेट पर लगा ताला भी घर का नहीं था। आशंका है कि वारदात के बाद बदमाश ताला लगाकर फरार हुए। परिजनों के मुताबिक करीब आठ दिन पहले जगपाल अपने माता-पिता और किराएदार सतेंद्र के साथ था। उस दिन घर में मीट बनाया गया था और तीनों ने शराब भी पी थी। इसके बाद जगपाल अपने घर चला गया। उसके मुताबिक उस दिन पैसों को लेकर मां से उसकी कहासुनी भी हुई थी। परिजनों ने कमरे से खून से सने दो तौलिए मिलने की बात कही है। वहीं, किराएदार सतेंद्र बस कंडक्टर है और अक्सर दो-चार दिन में कमरे पर आता था। शनिवार को उसी ने जगपाल को फोन किया, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल बंद है। आईजी झांसी आकाश कुलहरि ने बताया कि दोनों शव करीब पांच से छह दिन पुराने और सड़-गल चुके हैं, जिससे प्रथम दृष्टया मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बेटे ने किराएदार सतेंद्र पर शक जाहिर किया है। उसे ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए एसओजी और थाना पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। एसपी सिटी प्रीति सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

सीजेपी नेतृत्व के हो सकते हैं राजनीतिक हित, लेकिन राजनीतिक मंच नहीं बनना चाहिए : सोनम वांगचुक

नई दिल्ली : कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन में अनशन करने वाले लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का मानना है कि सीजेपी का नेतृत्व संभाल रहे अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका के राजनीतिक हित हो सकते हैं। हालांकि वे चाहते हैं कि संगठन एक दवाब मंच के तौर पर काम करता रहे और राजनीतिक मंच न बने। इससे उसकी पवित्रता नष्ट हो जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने एक यू-ट्यूबर प्रखर गुप्ता को साक्षात्कार दिया है। इसमें वांगचुक ने कहा कि वे नहीं मानते की सीजेपी को नेतृत्व देने वाले लोग कोई संत-महात्मा है। उनके अपने राजनीतिक हित हो सकते हैं। वे इस बात की भी गारंटी नहीं दे सकते कि वह आगे चलकर भ्रष्ट नहीं होंगे। वांगचुक ने कहा, ह्लमैंने काफी परख की तो लगा कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं जरूर होंगी और वह शायद कोई गलत बात भी नहीं होगी। ...मगर इस मंच (सीजेपी) को आप(सीजेपी नेतृत्व) लोगों ने एक राजनीतिक पार्टी के रूप में शुरू नहीं किया है, उसकी पवित्रता को बनाए रखना चाहिए। इसे एक तटस्थ राजनीतिक दबाव समूह बनाए रखना चाहिए, जिससे आप ज्यादा काम कर पाएंगे। मंच को ही राजनीतिक नहीं बनाना चाहिए, ताकि लोगों की आस्था ज्यादा बनी रहे। बाकी आगे जाकर आप किसी राजनीतिक दल में जुड़ सकते हैं या नई राजनीतिक पार्टी शुरू कर सकते हैं। मगर इस प्लेटफार्म को जिसमें लोगों ने ...एक स्टूडेंट्स मूवमेंट देखा है। उसको कोई राजनीतिक रंग देना अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्हें सीजेपी नेतृत्व के भ्रष्ट होने के कोई संकेत नहीं दिखे हैं, लेकिन भविष्य को लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। उनके आकलन में ये लोग औसत से बेहतर, समझदार और जागरूक हैं, लेकिन आगे चलकर वे क्या करते हैं, इसका अनुमान लगाना संभव नहीं है।

भागलपुर के इंग्लिश गांव में भीषण कटाव, कई आशियाने नदी में विलीन, दर्जनों मुहाने पर

भागलपुर : जिले के सबौर प्रखंड अंतर्गत फरका पंचायत का इंग्लिश गांव इन दिनों भारी तबाही के मुहाने पर खड़ा है। गंगा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव और तेज बहाव के कारण क्षेत्र में भीषण कटाव शुरू हो गया है। देखते ही देखते स्थानीय ग्रामीणों के जीवनभर की कमाई से बने कई पक्के मकान और उपजाऊ कृषि भूमि गंगा की मुख्य धारा में समा चुके हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि दर्जनों अन्य घर अब सीधे कटाव की जद (मुहाने) में आ गए हैं। गांव के अस्तित्व पर गहरा संकट मंडरा रहा है और प्रभावित परिवारों के बीच चीख-पुकार मची हुई है। गंगा के बढ़ते रौद्र रूप को देखकर कटाव की जद में आए ग्रामीण बेहद दहशत में हैं। कई लोग बेघर होने के डर से अपने ही पक्के मकानों को खुद अपने हाथों से तोड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीण घर की खिड़कियां, दरवाजे, चौखट और ईंट-पत्थर बचाने की जद्दोजहद में जुटे हैं ताकि भविष्य में कहीं और ठिकाना बनाते समय कुछ राहत मिल सके। गांव से भारी संख्या में लोगों का पलायन शुरू हो चुका है। विस्थापित लोग ऊंचे बांधों, सड़कों के किनारे या अन्य सुरक्षित स्थानों पर तिरपाल तानकर शरण ले रहे हैं। इंग्लिश गांव के साथ-साथ पड़ोसी क्षेत्र घोषपुर में भी गंगा की धारा जमीन को तेजी से निगल रही है। स्थानीय घोषपुर मध्य विद्यालय के खेल मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही धंस चुका है, जिससे स्कूल भवन के भी नदी में समाने का खतरा पैदा हो गया है। अगर समय रहते प्रशासनिक कदम नहीं उठाए गए, तो गांव का संपर्क पूरी तरह कट जाएगा और पूरी आबादी बेघर हो जाएगी। प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग और स्थानीय प्रशासन की ओर से समय रहते पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों ने मांग की है कि इंग्लिश गांव और आसपास के रिहायशी इलाकों को स्थायी रूप से बचाने के लिए तत्काल ठोस रिंग बांध या कटाव-रोधी कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जाए। क्षेत्र में केवल खानापूर्ति के लिए जियो बैग या बालू की बोरियां डालने से इस तेज बहाव को रोकना असंभव साबित हो रहा है। प्रशासनिक सतर्कता और राहत की दरकारकटाव की गंभीरता को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग और बाढ़ नियंत्रण इकाई को तुरंत सक्रिय होने की जरूरत है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि बेघर हुए परिवारों को तत्काल पर्याप्त पॉलीथिन शीट, सूखा राशन, और शुद्ध पेयजल मुहैया कराया जाए, साथ ही खतरे वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए पर्याप्त नावों की व्यवस्था की जाए।

मन की बात में एक ऐसी वेबसाइट का उल्लेख जो बताती है कि कब, कहां था किसका शासन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ल में एक वेबसाइट की जानकारी दी जिसमें भारतीय इतिहास के अलग-अलग कालखंड में किसका शासन रहा है इसकी जानकारी हालिस की जा सकती है। ह्यमन की बातह्ल के 137वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि वेबसाइट पर वर्ष चुनकर आसानी से पता लगाया जा सकता है कि किस समय भारत के किस हिस्से में किसका शासन था। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट को बहुत ही साधारण रखा गया है। कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री ने वेबसाइट बनाने वाले कृष्ण शेशाद्री से फोन पर बातचीत भी की। इसमें शेशाद्री ने बताया कि भारतीय इतिहास में कुछ गिने-चुने शासकों के बारे में पढ़ाया जाता है लेकिन हमारा इतिहास बहुत से नायकों से भरा हुआ है।

नेपाल बाढ़ त्रासदी: भारत ने तेज किया राहत अभियान, 108 भारतीयों को बचाया

नई दिल्ली : नेपाल के भोटेकोशी क्षेत्र में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। अब तक 108 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है, जबकि पहले संपर्क से बाहर हुए करीब 50 अन्य भारतीयों से दोबारा संपर्क स्थापित कर लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदा के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री से बात कर गहरी संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव मानवीय सहायता का भरोसा दिलाया था। इसके बाद विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने भी नेपाल के विदेश मंत्री से बातचीत की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चीन से नेपाल की ओर पिछले दो दिनों में 598 भारतीय नागरिक सुरक्षित पहुंचे हैं। चीन की ओर करीब 900 भारतीय सुरक्षित और संपर्क में हैं।

रांची, खूंटी, रामगढ़ सहित 15 जिलों में आज भारी बारिश

बंगाल की खाड़ी के लो प्रेशर का असर, कल 16 जिलों के लिए ऑरेंज-यलो अलर्ट

संवाददाता

रांची: झारखंड में मानसून की सक्रियता के बीच बारिश का दौर जारी है। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर के प्रभाव से राज्य के लगभग सभी जिलों में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आज रांची समेत 15 जिलों में भारी बारिश हो सकती है।

रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, धनबाद, बोकारो, कोडरमा, दुमका, देवघर और जामताड़ा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गयी है। अन्य जिलों में भी बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है।

वहीं 31 अगस्त को रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा और लातेहार में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा गढ़वा, पलामू, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो,

सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में भारी बारिश का येलो अलर्ट है।

एक और दो सितंबर को 17 जिलों में बारिशः मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए भी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। एक सितंबर को लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, रांची, पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

वहीं दो सितंबर को दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और कोडरमा में भारी बारिश की संभावना है। इन जिलों के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

लगातार सक्रिय मानसून और बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर के कारण आने वाले दिनों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश का प्रभाव राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रह सकता है।

शनिवार को लातेहार में 61 मिमी बारिश: इससे पहले शनिवार को भी राज्य के कई इलाकों में बारिश हुई। लातेहार में सबसे अधिक 61 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गयी। राजधानी रांची में 15 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा देवघर में 19 मिमी, सरायकेला-खरसावां में 13 मिमी, कोडरमा में नौ मिमी, दारीसाई में 27 मिमी, खूंटी में पांच मिमी, सरायकेला में 13 मिमी, जगन्नाथपुर में 11 मिमी तथा हजारीबाग और सिमडेगा में दो-दो मिमी बारिश दर्ज की गई।

देवघर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्पकर ने श्रावणी मेला में प्रदर्शित किया पुलिस का मैत्रीपूर्ण व्यवहार

विनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2020बैच के आईपीएस अधिकारी की बात चलने पर प्रवीण पुष्कर का नाम स्वतः ही जुबां पर चला आता है इसकी प्रमुख वजह यह है कि देवघर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर अप्रैल माह 2026 में जिला में पुलिस अधीक्षक के रूप में योगदान देने के पश्चात से जिला में बेहतर कानून व्यवस्था और आम जनों की सुरक्षा के लिए व्यापक कारगर उपाय में जुटे रहे हैं। इसी का यह सकारात्मक परिणाम सामने आया कि सावन माह में एक माह तक चलने वाले विश्व प्रख्यात श्रावणी मेला में कांवरियों भक्त जनों श्रद्धालु और आम लोगों को बेहतर सुविधा के लिए स्वयं मुस्तैद और उपस्थित होकर बेहतर विधि व्यवस्था की

कमान स्वयं संभाल रखी थी। कांवरियों का हौसला बुलंद करने के लिए वह स्वयं साथ में खड़े होकर उनका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाते रहें जो निश्चित तौर पर एक आईपीएस अधिकारी के बेहतर कार्य कुशलता का परिचायक है । देवघर में एक माह तक चलने वाले इस प्रसिद्ध मेले में व्यापक रूप से बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और किसी को भी किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका ख्याल रखते हुए स्वयं पुलिस अधीक्षक डटे रहे । इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आया बेहतर विधि व्यवस्था और सुरक्षा के साथ-साथ एक माह तक चलने वाले इस मेले में सबों ने पुलिस अधीक्षक और जिला प्रशासन के कार्य प्रणाली की प्रशंसा की। गौरतलब है कि भारतीय पुलिस सेवा 2020 बैच के लोकप्रिय कर्म आईपीएस अधिकारी प्रवीण पुष्कर इससे पूर्व रांची के ग्रामीण एसपी भी रह चुके हैं। ऐसे आईपीएस अधिकारी से जिला और विभाग तथा राज्य भी गौरवान्वित होते हैं और हमें ऐसे आईपीएस अधिकारी पर गर्व भी है।

एमजीएम अस्पताल की लिफ्ट में फंसे 25 मरीज व परिजन, आधा घंटा बाद निकाले गए

जमशेदपुर: जिले के एमजीएम अस्पताल में शनिवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अस्पताल में लगी एक लिफ्ट शनिवार को अचानक बीच रास्ते में बंद हो गई, जिससे लिफ्ट पर सवार करीब 25 मरीज और उनके परिजन अंदर ही फंस गए। वे करीब आधा घंटा तक फंसे रहे। तकनीशियन ने 30 मिनट की मशक्कत के बाद सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला।

इस घटना से अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है। बताया जा रहा है कि लिफ्ट की चाबियों को संभालने की जिम्मेदारी होमगार्ड के जवानों पर थी। जब तकनीशियन ने लिफ्ट का दरवाजा खोलने के लिए चाबी मांगी, तो जवानों ने चाबियां खो जाने की बात कहकर अपने हाथ खड़े कर दिए। आखिरकार तकनीशियन ने पुरानी चाबियों का इस्तेमाल कर किसी तरह लिफ्ट को खोला. ज्ञात हो कि एमजीएम अस्पताल आए दिन अपनी लचर व्यवस्था और लापरवाही के लिए चर्चा में रहता है।

बिजली गिरने से 7वीं कक्षा के छात्र की मौत

-नानी ने लगाया शिक्षकों की गैरमौजूदगी का गंभीर आरोप
- पीड़ित परिवार के दुख की घड़ी में शिक्षा विभाग देगा साथ
- सरकारी प्रावधानों के तहत मिलेगा मुआवजा: डीएसई

संवाददाता

चतरा: जिले के सदर थाना क्षेत्र से शनिवार को एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक 14 वर्षीय स्कूली छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, मृतक की नानी ने स्कूल के शिक्षकों पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक छात्र की पहचान 14 वर्षीय अनीश उरांव पिता- बीरबल उरांव के रूप में हुई है, जो मूल रूप से रांची के बूटी मोड़, खेलगांव का रहने वाला था। अनीश चतरा में अपने नाना बंधन उरांव और नानी मंजू तिग्गा के घर रहकर सदर प्रखंड के 'उत्क्रमित मध्य विद्यालय डाढा में 7वीं कक्षा में पढ़ता था। शनिवार की दोपहर लगभग ढाई बजे स्कूल कैंपस में खेल दिवस का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान मौसम बिगड़ा और वज्रपात की चपेट में आने से अनीश गंभीर रूप से घायल हो गया। सदर अस्पताल चतरा ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की नानी मंजू तिग्गा ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि घटना के वक्त स्कूल में कोई भी शिक्षक मौजूद नहीं था, केवल रसोइया वहां थी। जब हादसा हुआ, तो सिर्फ बच्चे ही रो-बिलख रहे थे। नानी का कहना है कि अगर शिक्षक स्कूल में मौजूद होते और समय रहते बच्चे को अस्पताल पहुंचाया जाता, तो शायद उसकी जान बच सकती थी। लगातार सक्रिय मानसून के बीच शिक्षकों की इस कथित लापरवाही ने एक मासूम की जान ले ली। वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग मृत बच्चे के परिजनों की दुख की घड़ी में उसके साथ है। यह एक प्राकृतिक आपदा है। उन्होंने बताया कि आपदा राहत कोष के तहत मृतक के परिजन को सहायता प्रदान की जाएगी।

निःशुल्क हेल्थ एंड मेडिकल कैंप में लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

जमीयतुल इराकीन रांची और उम्मीद हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट ने लगाया कैंप

गुलाम शाहिद

रांची: जमीयतुल इराकीन रांची एवं उम्मीद हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क हेल्थ एंड मेडिकल कैंप कर्बला चौक स्थित जमीयतुल इराकीन बिल्डिंग गुलशन मैरेज हॉल में आयोजन किया गया। कैंप में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। इस दौरान महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. रशीदा हुसैन ने मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श एवं अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कैंप में लोगों की ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हार्ट बीट, पल्स सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच निःशुल्क की गई। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जमीयतुल इराकीन रांची के अध्यक्ष हसीब अख्तर, महासचिव सैफुल हक, उम्मीद हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन अनवर खान एवं महासचिव एमएस. फरहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं अंकुरम आईवीएफ हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर परवीन कुमार एवं शाहबाज हाशमी ने भी कैंप के आयोजन में सहयोग किया।

इस अवसर पर मो नसीम, अब्दुल खालिक, खलील अहमद, आसिफ इकबाल, फरहा परवीन, आयशा परवीन, नजीर अंसारी, पत्रकार मुस्तकिम आलम, मुजाहिद सुहेल, जावेद शहजाद, मो. ओसामा, अब्दुल गफूर शाजली एवं पत्रकार आदिल रशीद सहित अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

कीचड़ में फंसी शिक्षा की राह, पगडंडी से स्कूल पहुंच रहे नौनिहाल

पिछरी स्कूल तक सड़क नहीं, बरसात में दलदल बन जाता है रास्ता

मैट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: जिले के मरकच्चो प्रखंड की डगरनवां पंचायत स्थित पिछरी गांव में शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत चिंता बढ़ाने वाली है। उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय पिछरी तक पहुंचने के लिए आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। बच्चे रोजाना पगडंडी और कीचड़ भरे कच्चे रास्ते से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। बरसात में रास्ता पूरी तरह दलदल में तब्दील हो जाता है। इस दौरान बच्चे फिसलकर गिर जाते हैं और कई बार उनके कपड़े व किताबें भी कीचड़ से खराब हो जाती हैं। रास्ते की बदहाली के कारण बच्चों की स्कूल उपस्थिति और पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। प्रधानाध्यापक कैलाश प्रसाद यादव ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर कई बार प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को जानकारी दी गई, लेकिन अब तक आश्वासन के अलावा

कुछ नहीं हुआ। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से विद्यालय तक जल्द पक्की सड़क बनाने की मांग की है।

मूसलाधार बारिश में भरभराकर गिरा मिट्टी का घर,पीड़ित ने की मुआवजे की मांग

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार की रात हुई मूसलाधार बारिश ने लेंजवा पंचायत के लेंजवा गांव निवासी रणधीर ठाकुर के परिवार पर मुसीबत का पहाड़ खड़ा कर दिया। लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण उनका मिट्टी का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। घर गिरने के बाद परिवार के सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।बताया जाता है कि रणधीर ठाकुर, पिता स्वर्गीय शिवनंदन ठाकुर, ग्राम लेंजवा, पोस्ट औरु गेरूआ, थाना हंटरगंज के निवासी हैं। बीती रात तेज बारिश के दौरान उनका मिट्टी का घर अचानक धराशायी हो गया। घर गिरने से परिवार का आशियाना पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना के समय परिवार के सदस्यों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर जाने का मौका मिल गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेते हुए क्षतिग्रस्त मकान का स्थलीय निरीक्षण कराने, उचित मुआवजा देने और आवास की व्यवस्था कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों के लिए ऐसी घटनाएं बड़ी चिंता का विषय हैं।अब देखना होगा कि प्रशासन पीड़ित परिवार की स्थिति का जायजा लेकर कितनी जल्द राहत पहुंचाता है।

रिसालदार बाबा के उर्स में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

पांच दिवसीय सालाना उर्स का आज चौथा दिन

गुलाम शाहिद

रांची: डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा का पांच दिवसीय सालाना उर्स परचम कुशाई के साथ शुरू हो गया है। मजार पर चादरपोशी, फातिहाख्वानी और मन्नतें मांगने के लिए रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों और दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में जायरीन पहुंच रहे हैं। उर्स को लेकर मजार परिसर में रौनक बढ़ गई है और दिनभर अकीदतमंदों की आवाजाही बनी हुई है।

सूफी संत रिसालदार बाबा का असली नाम हजरत कुतुबुद्दीन शाह था। अकीदतमंद और स्थानीय लोग उन्हें हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा के

नाम से जानते हैं। मान्यता और उपलब्ध ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, बाबा वर्ष 1808 में ब्रिटिश फौज के साथ सूबेदार अथवा कप्तान के पद पर रांची आए थे। उस दौर में घुड़सवारों और सैनिकों की टुकड़ी को रिसाला तथा उसके प्रमुख को रिसालदारकहा जाता था। इसी वजह से वे रिसालदार बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुए।

रांची आने के बाद बाबा का मन फौजी नौकरी और सांसारिक मोह-माया से पूरी तरह उचट गया। उन्होंने सेना की नौकरी और अपना पद छोड़ दिया। इसके बाद

डोरंडा स्थित वर्तमान मजार परिसर में विशाल पीपल के पेड़ के नीचे अपना ठिकाना बनाया। वे दिन-रात वहीं बैठकर अल्लाह की इबादत में लीन रहते थे। बाबा के निधन के बाद उनके साथी सिपाहियों ने उसी पीपल के पेड़ के पास उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया, जहां वे इबादत किया करते थे। बाबा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले बताए जाते हैं। रिसालदार बाबा के फौजी जीवन की याद आज भी उर्स की परंपराओं में दिखाई देती है। उर्स के चौथे दिन झारखंड आर्म्ड पुलिस-1 (जैप-1) की गोरखा बटालियन और बिहार की बीएमपी-1, पटना के जवान मजार पर पहुंचकर सशस्त्र सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर देते हैं। सुरक्षा बलों के जवान बाबा को अपना रक्षक मानते हैं और उर्स के दौरान विशेष रूप से मजार पर चादरपोशी करते हैं।

सालाना उर्स के दौरान कव्वाली का बड़ा मुकाबला आयोजित किया जाता है। इसमें दिल्ली, मुंबई समेत देश के विभिन्न हिस्सों से मशहूर कव्वाल शिरकत करते हैं। वहीं जायरीनों और आम लोगों के लिए मेले का भी आयोजन किया जाता है। उर्स के चलते डोरंडा और आसपास के इलाकों में विशेष चहल-पहल देखने को मिल रही है।